| publect & U | ame and ali      | See below                | -                     | - 1                                   | Character o       | f case          |             | <del></del>        |                          | -                 |
|-------------|------------------|--------------------------|-----------------------|---------------------------------------|-------------------|-----------------|-------------|--------------------|--------------------------|-------------------|
|             |                  |                          |                       |                                       | EXTOR             | CION            |             |                    |                          |                   |
|             | GE VO            | ICE - VICT               | 1M                    |                                       | Complainan        | t □, Protect Se | ource       | <del>.</del> ,     | <u> </u>                 |                   |
|             | My               |                          |                       | ļ.,                                   | Complaint re      | eceivea         | -           |                    | j                        |                   |
|             |                  | -                        |                       | ,                                     | ☐ Persona         | l XX Telepho    | onic Date   | 8/22/8             | 39. <sub>Time</sub> _3:1 | 5pm               |
| dilean of   |                  |                          |                       |                                       |                   | t's address and |             |                    | NT37 NT37                |                   |
| Summi       | t, NJ            | 07901                    | _                     | <u>  \</u>                            | 111age            | yorce,          | 842 BI      | oaqway,            | , ŅY, NY                 |                   |
| Race        | •                | Sex                      | Height -              | Hair                                  | *                 | Build           | Birth d     | ate and Birthr     | place                    | ^                 |
| Age Scar    |                  | _ [] Male                | Weight                | Eyes                                  | 2                 | Complexion      | Social      | Security Num       | ber                      |                   |
| Scrip       | ٠                | ☐ Female                 |                       | 7,00                                  |                   | O Compionion    | , , ,       |                    |                          |                   |
| Scar        | s, marks or      | r other data             | <del></del>           |                                       |                   | No.             | <del></del> |                    |                          | •                 |
| acts of co  | 1-1-4            | <del></del>              |                       |                                       |                   |                 |             |                    |                          | <u> </u>          |
|             | -                |                          | a) - 3i-              |                                       |                   |                 |             | N1-                | 31T '0 /1                | F /00             |
|             |                  |                          | c) adviso<br>s office |                                       |                   |                 |             |                    | , NJ, 8/1<br>Voice.      | 5/89              |
| 42 B        | roadwa           | y, New                   | York, NY              | , Atte                                | ntion             | :               | O 11 O(1    | 7 22 22 44 (       | Plaving                  | With              |
| lell)       | . Ret            | urn add                  | ress. app             | ears a                                | ເຮົ: 📗            |                 |             |                    |                          |                   |
| hrea        | t, NJ,           | - 07901.                 | Envelo                | pe cor                                | itaine<br>:ive 1: | l a four        | -page, 1    | etter s            | stating<br>subject's     |                   |
| elig        |                  | aca,cm,                  | ă rorcuée             | , abas                                | , <b></b> v       | indara de       |             | \_                 | oubjece s                | •                 |
|             | · .              | »                        | · -                   | 2 1                                   |                   |                 |             |                    |                          | _                 |
|             | C advi           |                          | ats due               | to the                                |                   |                 |             |                    | concern                  | ed                |
|             |                  |                          |                       |                                       |                   |                 |             |                    | also co                  | ntain             |
|             |                  |                          |                       |                                       |                   |                 |             |                    | e are sen                |                   |
| nony        | mously           | 7•                       | _                     |                                       | -                 |                 |             |                    |                          |                   |
| ÷           | ຕ ພ້ອຍ           | ಕ್ಷತ್ತಾ ಕಟ್ಟ್            | to secu               | ro the                                | anva              | lone and        | letter      | and i              | it should                | ! he              |
|             |                  |                          |                       |                                       |                   |                 |             |                    | ontacted                 |                   |
| oon i       | as pos           | ssible s                 | o as to               | detern                                | nine a            | course          | of acti     | on.                | ,                        |                   |
|             |                  |                          | 1                     |                                       | J.                |                 |             |                    |                          |                   |
|             | -                |                          | - 1                   |                                       | 1 mx              | -XIG            |             |                    | _                        |                   |
|             |                  | بنز                      | 200 KEO               | PEN) "ON                              | SE Z              | 1               |             |                    |                          |                   |
|             |                  | <u></u>                  | PACE IN               | 义人                                    | \$ \Q             |                 | (4) -       | hu-                | 1865                     | olI               |
|             |                  | ر<br>(C-1 <sup>1</sup> ) | ATTE STA              | SE SE                                 | en AVI            | 4-              | 12.1        | Do ro write        | in this space.           | 7                 |
| (           | n ·              | Λ) (C-T.                 | SIEW TI               |                                       | 10                |                 |             |                    |                          | <b>7.</b>         |
|             | 9- nev<br>6-7079 | )A                       |                       | V M                                   |                   |                 | Sant        | <b>/X</b> Y//      | / - <b>/</b>             |                   |
|             | 9- nev<br>6-7079 | PA                       | PI EFFECTI            | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 1                 | 1               | cent        | Material Del North |                          | $\wedge$ $\wedge$ |
|             |                  | PA.                      | bi ellhyli            |                                       | 1                 | /               | <b>E</b>    |                    |                          | \ <b>b</b>        |
|             |                  | A.                       | bi Elli               |                                       | 1                 |                 |             | AUG 12             | . 1959                   | A CA              |
|             |                  | PA .                     | bi ērrijī             | *                                     |                   |                 | 019         | AUG 2              | c 1959                   |                   |
|             |                  | 9A                       | bi ellicij            | ,                                     | N<br>WR           | / O. */         |             | AUG 2              | . 1959 Y                 |                   |
|             |                  | 9A                       | bi ellicij            | (A-3)                                 | n<br>M            |                 | <b>6</b>    | AUG 12             | . 1959                   |                   |

# Memorandum



| To : SAC, DIVET (9A-NY-186561) (c) Date 12/2/90  |             |
|--|-------------|
| From : 5A 66                                     |             |
| Subject:   | •           |
| VILLAGE VOICE - VICTIM                           | ¥           |
| 60: NY   |             |
| Writer has kept in telephonic contact with       | ,           |
| victin's   | b6<br>b7C   |
| that advised that has not received               |             |
| any further threats                              | ,           |
| Summit New Jersey Poli                           | · . b6      |
| Department viter viewed go subject an            | <b>L</b> :: |
| found him to be a rational individual with a wit | e.          |
| has no arrest record.                            |             |
| Due to above fauts writer suggests this can      | re n        |
| be closed administratual 9A-W-18050              | 1           |
| SERIAL SERIAL D                                  | 1           |
| CLOSE ON THIS DEC 2 1990                         | ·           |
| 5 1  |             |

| Flord Ello No. 9A-NY-18656 -191   | £         |
|---|-----------|
| Field File. No.   |           |
| Serial # of Originating Document:   |           |
| OO and File No. 9A-N9-18656   |           |
| Date Received:  |           |
| From  | <u> </u>  |
| (Name of Contributor)   |           |
| 842 BROADWAY, New YORK  | Ny        |
| (City and State)  |           |
| By <u>54</u>  |           |
| To Be Returned Tyes No Receipt Given Tyes PNo   |           |
| Grand Jury Material - Disseminate Only Pursuant to Rule 6(e), Federa of Criminal Procedure D Yes X No | l Rules   |
| Title:  |           |
| THE:  |           |
| VILLAGE VOICE - VICTIM EXT. (A)   |           |
| (00: NY)  |           |
| Reference: (Communication Enclosing Material)   |           |
| (Communication Lincosing macenity)  |           |
| Description:  |           |
|   |           |
| Copy ARTICLE WHO !  | <b>S</b>  |
| LISTENINIA TO LOUIS FARRAK  | HAN 2 b70 |
|   | VI LLAGE  |
| Voice Aug. 15, 1984.  |           |

PETRON IT !

EVIDENCE (PACKAGE COPY)

New York

#### **CHAIN OF CUSTODY**

| Accepted Custody | Date        | Time  | Released Custody  | Date.                                   | Time                |
|------------------|-------------|---|---|---|---------------------|
| Signature        | Shah        | 300   |   | 9/6/8                                   | 1/8                 |
| Reason ECIDENCE  | 8/38/89     | ــــــــــــــــــــــــــــــــــــــ        | EVIDENCE  | 1/6/01                                  | <b>//</b> b6<br>b7C |
| Signature        | 9//         | 135   |   | -                                       |                     |
| Reason-          | 16/87       | <i>"a</i>                                     |   |   |                     |
| Signature        | _           |   |   |   |                     |
| Reason           |             |   | ,   |   |                     |
| Signature        | -           | •   |   |   |                     |
| Reason           |             |   | ,   |   |                     |
| Signature        |             |   |   |   |                     |
| Reason           |             |   |   |   |                     |
| Signature        |             |   |   |   |                     |
| Reason           |             |   | -   |   |                     |
| Signature        |             |   |   |   |                     |
| Reason           |             | ,   |   | . ,                                     |                     |
| Signature        |             |   |   |   | <u> </u>            |
| Reason -         |             | ,   | مصنع المنظم المنظم<br>المنظم | 1 m m m m m m m m m m m m m m m m m m m | s 1                 |
| Signature        |             |   |   |   | <del></del>         |
| Reason           |             |   | ,   |   | •                   |
| Signature        |             |   |   |   |                     |
| Reason           |             | ,   | -   |   |                     |
| Item No.         |             |   | Remarks   | _ll                                     |                     |
| Item No.         |             | · · · · <u>· · · · · · · · · · · · · · · </u> | nomarko   |   |                     |
|                  |             |   |   |   |                     |
|                  |             | '   | • •   |   |                     |
| •                | 1           |   |   |   |                     |
|                  |             |   |   |   |                     |
|                  |             | ,   |   |   |                     |
|                  |             |   | , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,   |   |                     |
| <u> </u>         |             |   |   | <del> </del>                            |                     |
|                  |             |   | <u> </u>  | *                                       |                     |
|                  | <del></del> | <del></del>                                   |   |   |                     |

|                   | 9A-NY-186561-1A2   |
|-------------------|--|
| Field File No.    |  |
| Serial # of Origi | Inating Document   |
| OO and File No    | 9A-NY-186.56/  |
| Date Received     | <del>-</del>   |
| From              |  |
| •                 | (rivanie or Continutor)  |
|                   | (Address of Contributor)   |
| By5A              |  |
| БУ                | (Name of Special Agent)  |
| To Be Returned    | ☐ Yes 图 No Receipt Given ☐ Yes 图 No  |
|                   | erial - Disseminate Only Pursuant to Rule 6(e), Federal Rules<br>edure ロ Yes 전-No  |
| Title:            |  |
|                   | LAGE VOICE - VICTIM  |
| EX                | $\tau$ . (4)   |
|                   | T. (A)<br>O:NY)  |
| Reference:        | (Communication Enclosing Material)   |
| •                 |  |
| Description:      | Original notes re interview of   |
|                   | and the second s |
| Copi              | ES OF THREATENING<br>R AND ENVELOPE ADDRES   |
| 1-11              | AND ENVELOPE ADDRES  |
| £ 1/1             | 16 News PAPER  |

with the kind of Bullshit That you wrote About My SAVICUR And Christ Minister FARRAKHAN, I Will PESONAlly Put Your Fuckin ASS to Death! You WANT Hell? You got it. You want WAR! Well You got it. The 47th Chapter of the QUEAN IS-MUHAMMAd. It is Als Known AS MAR .. I will Put An ENd To your Drinn Life With The

HOP OF MY GOD (AllA) -FOR ATTACKING FARRAKHAN-And The NATION OF BAM. THIS AID FARRAKHANS WORDS, These Are My Workes: come get me Mother Fucker! Im Right here waiting for you And The J. B.I. to come

And get ME! I UNDERSTAND Why Wholf Wrote that Just Shit. But I want you To know that there IS A Price to PAY for everything And you will pay fore This kind Of Lying Shit With YOUR god dams-

POUT-MAY 15 A Promise! YOU CLAMA DIRTY, LOWCHOWN, Devid. Why don't you STANCE FACE TO FACE With Me OR ANY (FOI) MAN to The FOIL because WE WILLTURN MAY ALL NOTO A GOD DAMP DESTROY Mouse!

95

Summit, N.S. The Village Voice

842 Broadway, NY, NY

Attn

b6 b70

| Field File No.                                 | 9A-NY- 186561-1A3   |      |
|--|---|------|
| Serial # of Origina                            | ting Document   |      |
| OO and File No.                                | 9A-NY-186561  |      |
| Date Received                                  | 8/28/89   |      |
| From   |   |      |
|  | (Name of Contributor)   |      |
|  | (Address of Contributor)  |      |
|  |   |      |
| By   |   |      |
| - • <del></del>                                | (Name of Special Agent)   |      |
| To Be Returned □                               | Yes XI.No Receipt Given ☐ Yes XI No   |      |
| Grand Jury Materia of Criminal Proced          | I - Disseminate Only Pursuant to Rule 6(e), Federal Rules<br>ure □ Yes 🔀 No |      |
| Title:   |   |      |
| 16/1   | MOR VOICE - VICTIM.   |      |
|  | LAGE VOICE - VICTIM;  |      |
| 1=V=   | ORTION (A)  |      |
| 100  | :NY)  |      |
| Reference                                      | (Communication Enclosing Material)  |      |
|  | (Communication Enclosing Material)  |      |
| Description: VI                                | Original notes re interview of  | • b6 |
| Joseph Jan |   | b70  |
|  |   |      |
|  | , 8/28/89   | -    |

b6 b7С

PLEASE DO NOT REMOVE THIS SLIP FROM EXHIBIT NY9A-NV-186561-193 Village Voice 842 BROMRWAY NG. NG (212) 460-1452 article published Huguet 15, 1959 "W/fe is litering to Lows Farraphan ... and how did he become the big man on compay,
Negative to funakhan & followers;
influedlack community.
1.5 Mail letter received offices Village Voice, emelope postmarkel Newark, New Jersey, dated Aug. 5,189 Rolun Name & address was Summit, N.J. 0790/ 3 page letter 500 in threatened life.

Signed By

Symmit, N.J. P.D.

Symmit, N.J. P.D. Symmit, N.J. P.D. Sanows group involved. organization called Fruit of Islam. Line house in Summit, N.T. Group follows Janis Farabhan, copable of violence. Concerned & wantel contact

T.B.I. provided letter \$ 10.70

envelope, however handled by numera FBI, New YORK 8/28/89.

1 -3

| Q1 141 161 C1 1 1 1 1  |
|--|
| Universal File Case Number 9A-NY-186561 1H   |
| Field Office Acquiring Evidence  |
| Serial # of Originating Document   |
| Date Received 6-28-96  |
| From Euclesce Carlos Unit  |
| (Address of Contributor)   |
| (City and State)   |
| By   |
| (Name of Special Agent)  |
| To Be Returned  Yes  No Receipt Given Yes  No Grand Jury Material - Disseminate Only Pursuant to Rule 6 (e) Federal Rules of Criminal Procedure Yes  No Title: |
| Reference:   |
| (Communication Enclosing Material)   |
|  |
| Description: Original notes re interview of  |
| Inderce pacherez copy for 181<br>Juderce was Destroy on 628-96   |



Jonathan Z. Larsen EDITOR-IN-CHIEF
Sarah Jewier Managing Editor Michael Grossman Design Director

M. Mark Literary Editor Susan Linfeld Deputy Editor Michael Caruso Features Editor

Andrea Kannapell Copy Chief Donald Suggs Chief of Research Lisa Kennedy Supplement Editor Rachel Schwartz Deputy Copy Chief

Sezior Editors: Dan Bischoff, Robert Christigau, Howard Feinstein, Annette Fuentes, Richard Goldstein, Terry Johnson, Stan Mack, Scott L. Malcomson, Maria Margaronis, Erika Munk, Doug Smmons, Paul Soldstraff, Burt Supree, Guy Trebry, Mam Udovitch, Jell Weinstein, Ross Wetzsteon, Ellen Wilks

Associate Editors: Vince Aletti, Stacey D'Erasmo, Lisa Chapman Jones, Ronald Piotion, Polly Shulman, RJ Smith Staff Writers: Wayne Barrett, Wilsam Bastone, Teres Carpenter, C.Carr, Joe Consson (National Correspondent), Barry Michael Cooper, Thutani Davis, Kathy Dobe, Michael Fengold, Ernque Femândez, Gary Giddns, LynNell Hancock, Nat Hentoff, J. Hoberman, Jan Hoffman, Doug Ireland, Deborah Jowitt, Leighton Kerner, Mana Laurino, James Rodgeway (Washington Correspondent), Ivan Solotaroff, Geoffrey Stoles, Greg Tate

Cestribsters: Amy Arbus, Alen Barra, Paul Berman, Eleen Blumenthal, Tom Carson, Carol Cooper, Katherne Deckmann, Chuck Eddy, Jules Fedler, Stan Fischier, Hugo Flesch, Robert L. Fredman, Smon Frith, Kyle Gann, Mike Geffner, Richard Gehr, Nelson George, Lois Greenfield, Walter Gurbo, Cyntha Hernel, Robin Hotland, Rick Hornung, Gary Indiana, Kim Levin, Michael Longare, Doordy Low, Greil Marcus, Robert Massa, Dassann McLane, Michael Musto, Julius Novick, Geoffrey O'Brien, Gordon Rogod, Lesie Savan, Alisa Solomon, Michael Sontin, Mark Alan Stamay, Laune Stone, Amy Taubin, Barry Walters, Philippe Weisbecker, Lynn Yaeger

Assistant Editors: Kathy Deacon, Julian Dibbell, Luis H. Francia, Andrew Histo, Esther Kaplan, Ben S. Mapo, Ed Morales, Bruce Novack, Anda Petraske, Jell Salamon, Katherine Salberger

Editorial Staff: Karla Delgado, John Hector, David D. Kim, Mona Loune, Brian Palmer, Frank Ruscitti-Mariyn Savino Executive Assistant to the Editor-in-Chief

#### ART

Wes Anderson Art Director Fred W. McDarrah Picture Editor Calvin Lowery, Linda Vessup Associate Art Directors Edna Suarez Associate Picture Editor Hitton Als, Florian Bachfeda Designers Lisa Sternmeyer Design Assistant James Hamilton, Sylvia Plachy Photographers

#### PRODUCTION Charles Leopardo PRODUCTION MANAGER

Linda Nelson, Sylvia Topp Associate Production Managers Michael Pelliccia Print Manager Alison Colby Advertising Typesetting Supervisor

Steven Rosenzweig Camera Supervisor Delphine Oravetz Supervisor Andell Forgie Advertising Production Supervisor

Stafft Zizi Alderman, Bob Baker, Garry A. David, Victor Holness, Richard Kopperdahl, Patience Parker Pierce, Alma Rodinguez, Patricia Rush, Dawn Sarto, Virginia Sandetti, Laune Sternberger

#### SYSTEMS

Patrick M. Pagano DIRECTOR OF OPERATIONS Donna Bates Systems Manager

#### ADVERTISING

Saily J. Cohen PUBLISHER and DISPLAY ADVERTISING DIRECTOR

Barbara Hess Associate Advertising Director Beth Fleisher Buch Retail Ad Manager Joan Mellon Creative Services Manager

Scott Claster, Inez Corzealious National Account Managers Judah Doren National Entertainment Account Manager Mary E. Jansen, Denise Robert, Lynn Tobin Entertalement Account Managers Rochelle Stolzenberg Book Publishing Account Manager

Katherine Rogers Marketing Services Coordinator Local Account Managers: Kathy Barrett, Stock Doughty, Amy Kanner Sternglass, John Rommel, Dawn Stonebraker, Deidre Young Sales Coordinators: Mana Bonsignore, Franchette Consediant, Carol Eicher, Gail Gross, James Houran, Karyn Seltzer, Theresa Westerdahl, Lisa Wostriz Paul Rosenblum Secretarial Assistant Stephen Levant Traffic Coordinator

#### CLASSIFIED ADVERTISING

Michael Ellenn CLASSIFIED DIRECTOR Joseph Jesselli Classified Manager Nancy Fedder Classified Display Manager Pat Joyce Murphy Store Manager Robin Hackett Customer Service Manager Gwendolyn Van Buren Assistant Classified Manager. Robert Rizzuto Telemarketing Supervisor

Account Managers: Jon Blake, Molly Caroland, Tom Chillemi, Phyllis Miller, Renata Rose Enca Bowman Sales Coordinater

Telemarketing: Kevn Brennan, William Cameron, Joni Challenor, Lous Frenkel, Nellson Moore, Stacy Sofman, Dale Nieli Ejaye Tracey

Louis Frenkei, Neilson moute, Stady Sollitati, Der Near Legis macky Stafft Noreen Atlöns, Jamie Babits, Lucille Belobrow, Pat Belzer, Wanda Banculfi, Cecilia Brown, Lewis Colca, James Creegan, Michele Deasy, Mica D'Orleans, Mil Eanck, Lea Fuhrman, Craig Gälespie, Chenon Levy, Julie Marr, Eleen McCue, Marquis McNell, Karen McWharter, Cheryl Moore, Rose Ractt, Gloria Rosenberg, Esther Ruscatti, Rosa Shimin, Paula Spro, Glen Vecchione, Russell Weis, Lynn Yaeper, Donna Zinno Glen Vecchione, Russell Weis, Lynn Yaeper, Donna Zinno Sandra Jones Assistant to the Classified Director

#### J. Martha Sturgeon PROMOTION DIRECTOR Eileen McMahon Prometion Manager Steven Brenman Dart Promotion Designer

Jacqueline Jones Promotion Coordinator CIRCULATION Robert Clark CIRCULATION DIRECTOR

**PROMOTION** 

#### Diane Badway Subscription Manager Anne C.J. Roche Circulation Assistant

FINANCE William Dwyer VICE-PRESIDENT, FINANCE

Peter Martucci Controller Theresa West Personnel Administrator

Phyllis Shapiro Credit Director Daniel Prine Office Manager Diane Attanasio Data Systems Director Brian Cummings Accounting Manager

- A S

\* \*- \* £ ==

Ann-Margaret Pedro Display Data Mazager Cynthia Davis-Larmond Classified Credit Managers Benjamin Hill Staff Accountant Kevin Cook Systems Operator

Mariene Stewart Supervisor Marijane Gifallan Assistant to the Publisher

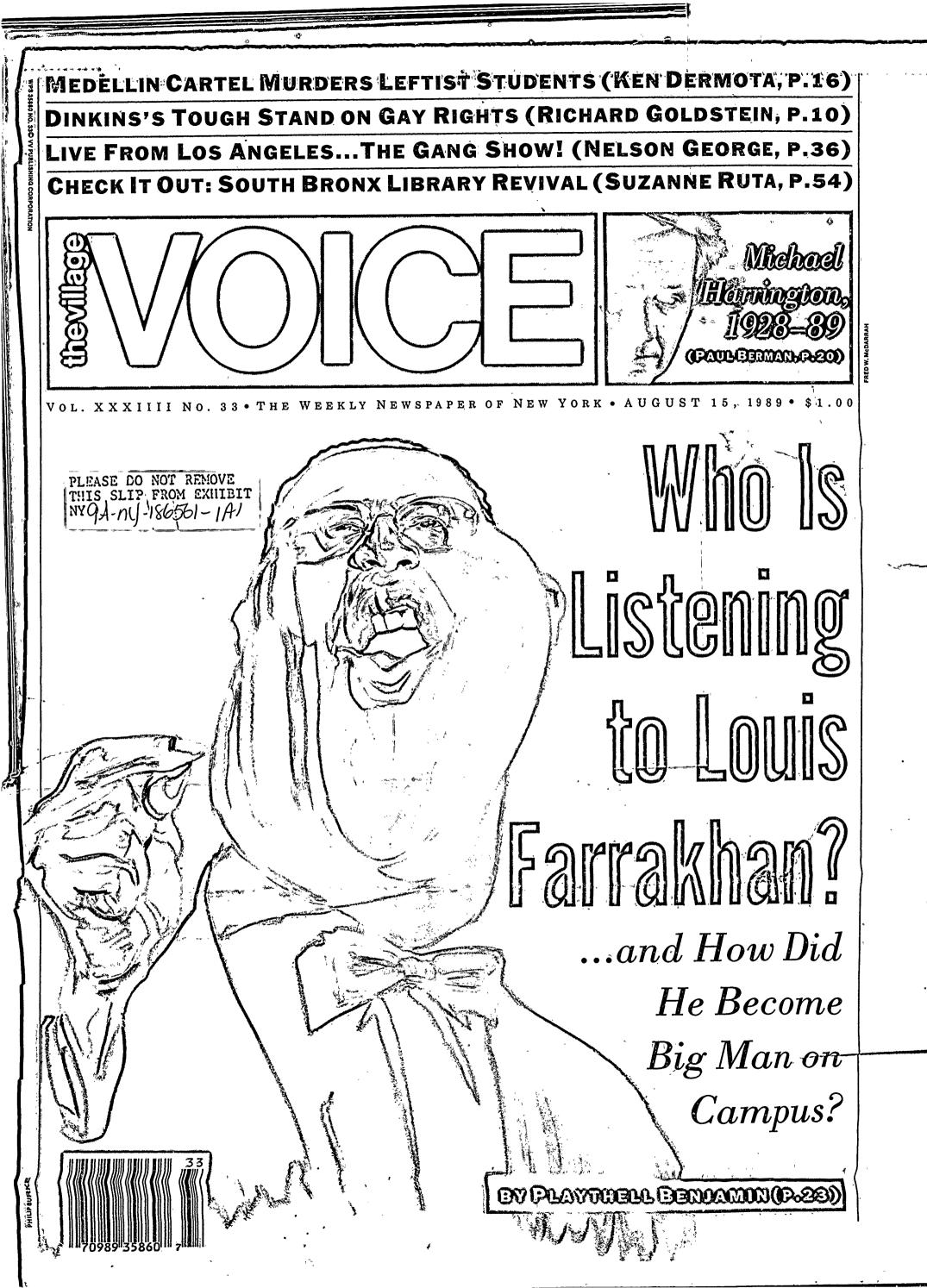
Staff: Mario Aragona, Gerald Barton, Clothilde Castiglia, Philip Curet, Sherry Gonzales, Joan Gordon, Craig Harvey, Dhina Hodge Janieta Korotton, Shalora McKiver, Maria Negron-Perez, Dorothy Reed, Mary V Averyl Smart Secretarial Assistant Sally J. Cohen PUBLISHER

The Village Voice and Voice are registered trademarks. All-rights reserved. VV Publishing Corporation

Leonard N. Stern, Chairman David Schneiderman, President Curtis B. Schwartz, Vice-President Paul Newman, Vice-President

Richard P. Stearn, Secretary & Treasurer Editorial/Business/Display advertising 475-3300 Classified advertising 475-5555

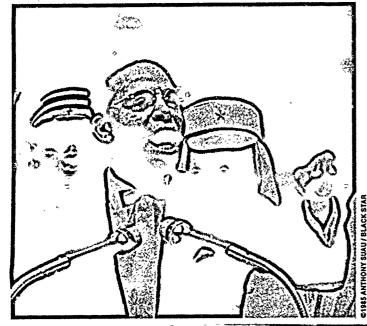
Copyright © 1989 VV Publishing Corporation

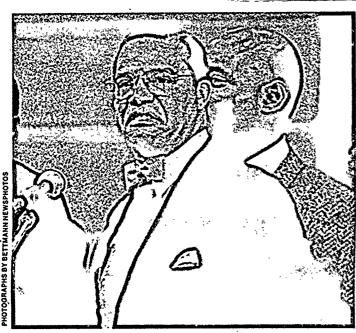


SURGEON GENERAL'S WARNING: Smoking By Pregnant Women May Result in Fetal Injury, Premature Birth, And Low Birth Weight. LightsiAngsEnOoseAMenthullightsiAngs thing to Oo Indineque langs Ming ter Donginitotine (Oos Mangi Ter Dengineotine langsBox 10mg ter Dongineotine MentholightsiOoseox Omg ter Oongineotine Mentholi Angs 1470 ter Dongineotineex percentrebylitemathou









# ATTUDE ATTUDE SISTING MESSAGE

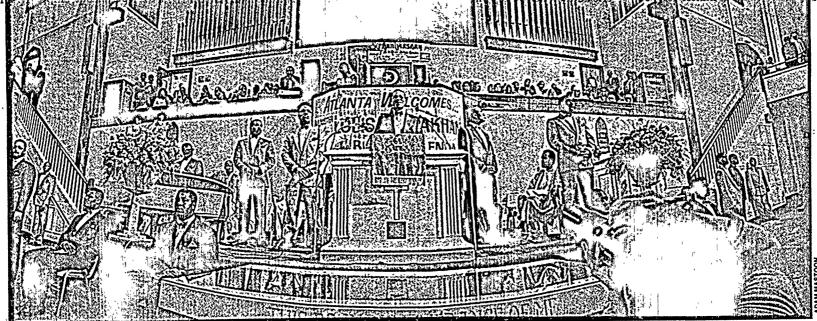
Louis
Farrakhan
Pursues
the Middle
Class

As the Massachusetts state troopers and U. Mass police waved the bus away from the entrance to the campus center, the final stop on the Springfield to Amherst line, it was clear that something was going on. Those passengers who insisted upon proceeding were required to walk the rest of the way. Outside the Fine Arts Center—a massive unpainted concrete monument to the triumph of cost accounting in modern architecture—the streets were cluttered with mobile TV units from Boston. The klieg lights and the clusters of electronic cables, sprawled over the sidewalks like giant earthworms chillin' out on the cold pavement, gave the event the aura of a movie premiere.

It was showtime at U. Mass, but with the main attraction a black fundamentalist Muslim imam, the crowd—divided into antagonistic factions of pro-Zionist Jews, Palestinian sympathizers, African Americans, and assorted others—wasn't cheering. The night air was filled with the babble of rancorous rhetoric as each group loudly denounced the sins of its

BY PLAYTOELL BEDJAMOD

their i, they knew Israel was wrops," but that as lattended, his, Nadaton, Square, Garden, 255 24กุลดูญลามกระจา รู



# FARRAKHAN'S SPEECHES ARE PART DOUBLESPEAK, PART BLACK NATIONALIST SLOGANEERING, PART ISLAMIC DOGMA, PART FREE-FORM RAP.

adversaries. Whenever Louis Farrakhan is on the scene you can bet your bottom dollar the joint will be jumpin', and on this night the joint was really jumpin'! In the 20 years that I have been trudging up to Amherst, I have never witnessed anything like the scene outside the Arts Center on February 2. It was a situation in which passion threatened to nullify reason and the anatomy of a riot was clearly visible.

Queuing up to enter the auditorium

all hell-bent on exorcising an evil spirit from the life of the campus. The largest and loudest contingent of protesters was composed of Jews, among them extremist elements with a reputation for initiating violence, like the Jewish Defense League. The homicidal inclinations of some in this faction were evidenced by their chants of "Who do we want?... Farrakhan!... How do we want him?... Dead!" To the largely black crowd entering the building this was an outrage, and several young black men issued a chalwas like walking a gauntlet of inquisitors, lenge to their JDL tormenters, daring

them to cross the police barriers. One black gridiron type warned, "I sure hope nobody don't fuck around and say the Nword... cause I'ma havta jump over that horse and break my foot off in their ass!" That the situation did not degenerate into a full-blown riot says more for the efficiency of the security forces than the self-restraint of the impassioned mob.

Having learned from bitter experience that the traffic control surrounding a Farrakhan speech, which includes a body search of everyone entering the hall, requires about two and a half hours to complete, I was in no hurry to get in line. In the meantime and in between time, I strolled around and rapped with the student body: white, black, and other. From these impromptu conversations several themes emerged that spoke volumes about why Farrakhan was here—the nature of his appeal to black students. The question most often asked by white students was, "Why are they bringing him here now? We have had enough racial problems on this campus and now things have cooled out." Black students viewed the matter differently. For them, the

# WHAT THE MINISTER SAID

THE IMAGE of Louis Farrakhan as a asked white America, rhetorically, "You violence-prone fanatic is largely a want us to love you? Then do justice." consequence of his affection for a Farrakhan declared, "Well it's all right provocative public oratory. A now! Cause she's ours, and we're hers." close analysis of Farrakhan's oratorical style reveals a cavalier disregard for the nuances of language and an inflammatory rhetoric that supplies grist for the mills of a competitive, sensationalistic, and sometimes racist establish ment press. Some of his statements seem explicitly calculated to provoke an avalanche of criticism, statements so outrageous as to be indefensible. The Milton Coleman affair, in which Farrak han disagreed with the news judgment of a black reporter who wrote in The Washington Post that Jesse Jackson referred to New York as "Hymietown," is a case in point. Farrakhan's response came in a radio broadcast. He proclaimed, "I say but we're gonna make an 💸 example of Milton Coleman One day soon we will punish you with death ... Although Farrakhan tried to disown this particular threat; it is typical of the reckless rhetoric that has led the American public to view him as a murderous madman. Still, it sometimes seems that the mere mention of the minister's name brings out the media's worst impulses. For instance, on October 9, 1988, hysterical journalists quoted Farrakhan vow hardly radical—in fact, it succinctly exing to "kill and dismember". Tawana presses the feelings of every father I ferences were drawn by news commentation of this mass abdication of journalistic tors, but in fact: Farrakhan's words had tethics was to convince millions of white been flagrantly misrepresented. The occasion was Farrakhan's speech

to the Nation of Islam's annual Savior's Day convocation in Chicago Calling for ward Tawana Brawley, who was on the dais dressed in the white gown (but not) the headgear) of a Muslim woman, Farrakhan put his arm around her shoulders. After denouncing the grand jury conclusion that her case was a fraud, he

The audience rose to its feet in tumultuous applause, with the men, all members of the Fruit of Islam, raising clenched fists in the air. Farrakhan repeated. "It's all right now—because every one of these black men will kill concrete if they put their hands on this Muslim woman! As the decibel level of the throng rose, Farrakhan shouted, "While the law of justice is in your hands you better use it Because I swear, no I promise : I affirm in the name of Almighty God Allah that He will, if I obey His law, if I keep His commandments, if I follow His messenger, He's gonna make me a power in America and throughout the world. And I will remember you for what you have done."The applause continued to build and he was forced into a prolonged pause until it subsided enough for him to continue, "I will proclaim like Moses anjeye for an eye : : a tooth for a tooth and a life for a life You rape my daughter, I will kill ya, and dismember your body and feed it to the fowl of the air. It was this last sentence that was presented, after editorial manipulation, over the air. In its original form it is hardly radical in fact, it succinctly ex-Brawley's attackers, Many fearsome in know, including myself. The net result Americans, and some blacks, that Farrakhan was about to lead some secret black army against white men who were declared innocent in an exhaustive grand jury investigation

There is hardly a mention of Farra khan in the white press that doesn't remind us that this is the guy who said, Hitler was a great man." The quote is always quickly followed by a hail of in-

vective, yet any objective analysis would reveal it as a vicious misrepresentation at best. In the context of an argument against confusing greatness—i.e., wealth, power, and public adulation—with righteousness, Farrakhan offered this example: "Adolf Hitler was a great man but wicked." Even a dimwit can see that this statement was not intended as a celebration of Hitler, but as a repudia-

These willful misrepresentations by the press have sparked a reciprocal antagonism between Farrakhan and the Jewish community, one that has grown increasingly rancorous over the last few years. This seriously endangers the alliance against racism and reaction that rests largely upon the remaining goodvill between African Americans and American Jews. 🛬 🎎

Perhaps the worst example of the hyperbole that too often passes for reportage comes from the New York Post. In a column on Farrakhan's visit to New York in May 1988, headlined "Farrak han's Orgy of Hate" Post writer Doug Feiden offered an explanation of how Farrakhan decided on May 22 as the date of his speech: "He chose Shavouth, the Jewish feast of weeks, to make his speech; perhaps guided by Josef F. Mengele, who knew the Jewish holidays and reserved them for his largest death camp gion." And though Farrakhan has tried to selections." It is a curious allegation to distance himself from that statement, it's level at a man whom nobody has act still his, clearly recorded for all to hear. cused of committing a single act of violence against Jews, or of advocating such acts.

One can only speculate on the reasons why so much time and energy are wasted savaging Farrakhan, especially when there are white fascist paramilitary or ganizations running around the country nently American Jews. Groups like the words as they please

Order, the Covenant, the Ku Klux Klan and the Aryan Brotherhood imagine sinister manipulations by international Jewry as being the root of the world's problems As James Coates writes in Armed and Dangerous, "The common thread linking these ardently violent people together is a belief that the U.S. government has been taken over by a conspiracy of Jewish bankers and nebulous other dark forces who plan to bleed the country dry, then bring a nuclear attack down upon the withered shell. This final attack is what the Bible calls Armageddon." These groups disseminate their message via computer modems, cable TV, radio shows, and literature distributed copiously at secret meetings all over the country It is abundantly clear that, compared to anti-Se mitic white groups, the Nation of Islam represents\_little\_more\_than\_a\_public

Farrakhan's criticism of the Jews is fundamentally, theological, growing out of his ethnocentric interpretations of the Bible and the Koran. In his attempt to reverse biblical imagery in order to create a symbology that makes black Americans the chosen people of God, Farrakhan has attacked the legitimacy of Judaic theology. It was in this context that he called Judaism a gutter reli-

Obviously Jews, whatever their political persuasion, cannot accept Farrakhan's view And it is not unreasonable for Jews, who have voted for black politicians twice as often as other whites, to expect African-American politicians and other leaders of black opinion to declare where they stand on this issue. But Loudedicated to the physical extermination is is Farrakhan's wayward theology doesn't of their many denemies, most promi-gigive commentators the right to twist his

# ELIJAH, MALCOLM, AND LOUIS

THE NATION OF ISLAM was found ed over a half century ago by Elijah Poole, a small chestnut-brown man from Georgia who changed his name to Elijah Muhammad. Declaring himself, a prophet sent to salvage the "lost found nation of so-called Negroes in the wilderness of North America," Elijah claimed he was visited by God/Allah in the person of Master W. D. Fard Muhammad, a Turk with a shadowy history who looks like a southern European in the pictures I've seen. It was W. D. Muhammad who "revealed the truth" to Elijah: white folks are devils who are evil by nature; the black man is the original seed; America is doomed and will soon suffer the wrath of Allah; black Americans are the chosen people spoken of in the Bible and they must separate from the whites in order to avoid the punishment of God. Hence, in Muslim theology, it was blasphemy to integrate with the evil whites who had brought us only "slavery, suffering and death." This is why the Nation of Islam opposed the integrationist aims of the civil rights movement (For a thorough analysis of the NOI's theology, see C Eric Lincoln's The Black Muslims in

In order to understand the ready ap peal- of Elijah Muhammad's message one need only consider the state of black America at the time of his appearance. In the 1930s almost half the U.S. had apartheid laws denying African Americans the vote and relegating them to separate and unequal facilities, and the rest of the nation engaged in such practices without benefit of law. It was six on the one hand and a half a dozen on the other—de facto and de jure Lynching the practice of publicly crucifying blacks in a carnival-like atmosphere, was still a commonplace of American life, and with all its legal aplomb and lobbying ability, the NAACP was unable to secure the passage of a federal antilynching bill. Afro-Americans, were routinely insulted by racist representations of black characters in movies, radio, vaudeville, news papers, popular magazines, textbooks, and the imagery of commercial products from pancakes and bathroom cleansers to liver-lipped lawn jockeys So when Elijah Muhammad announced that "the white man is the devil," the truth of the statement seemed obvious to many African Americans.

It must also be remembered that Eli jah Muhammad made his appearance during the Great Depression, so his message of "We must do for self" had a ready appeal to black Americans, the last hired and first fired, who already enjoyed) a long history of cooperative economics. A small barely articulate man with a high-pitched voice Mr. Muhammad delivered his message of divine. grace with a steely resolve whose eloquence lay in its simple conviction and apparent truth While not personally charismatic, Elijah Muhammad put to gether an organization that had many of the fundamental requirements a movement needs to survive and grow: a comprehensive ideology, power-packed slo-gans and symbols that can express complex ideas in simple terms for mass and recruit in person, and a clearly visible enemy. However, in order to flourish a movement also needs charismatic evangelists—great orators who can ex-cite, inspire, and convert large numbers of people. It is these powerful verbal exhorters who must take the message to the masses and no social movement in history has been successful without them.





This is why Malcolm X was so important to the rapid growth of the Nation of Islam in the early 60s Tall and physivoice that seemed to embody both the rage of the black masses and the wrath of Allah When I first heard him speak at the Lancaster Avenue mosque in West Philadelphia in 1962, it was the closest thing an avowed atheist could experience to a religious conversion. As the spokesman for the West Philadelphia Young Republicans League, I was the least like y convert in the house. But I had not then, nor have I ever, heard an orator who could convey a feeling of righteous indignation in the face of injustice with the power and passion of Malcolm X His speech rocked my world and I was born again as a black militant. Over the years I have discovered that my conversion to a militant black nationalist vision through the preachments of Malcolm tion of many of the best and brightest African Americans of my generation Malcolm X understood well his role as the "national representative of the honorable Elijah Muhammad." In his public statements he regularly paid homage to Elijah Muhammad, whom he referred to as "The Messenger," the source of all his wisdom. On many occasions I witnessed Malcolm publicly compare Elijah Muhammad to Moses and the original Is-



lamic prophet Muhammad Ibn Abdullah, the founder of Islam. But Malcolm and Elijah eventually came to a parting cally impressive, Malcolm spoke with a of ways over Mr. Muhammad's hypocrisy about sexual relations with several of his female supplicants, a matter Malcolm discusses candidly in his autobiog raphy. Malcolm X was silenced and re lieved of his ministerial duties by Elijah for announcing, "The chickens have fi nally come home to roost." When President Kennedy, was assassinated, Mal colm struck out on his own. First organizing Muslim Mosque, Inc

in 1964; Malcolm quickly recognized the need for a purely secular political organization and founded the Organization of Afro-American Unity, modeled on the Organization of African Unity. In his capacity as the leader of the OAAU. Malcolm X traveled to Africa and made powerful contacts. He was planning to bring the African-American question beconsumption, fundraising ability, means was not unique. It is a vital part of the fore the United Nations and accuse the of propaganda dissemination, devoted, political spiritual and intellectual evoluted. U.S. government of human rights violations who are willing to proselytize tion of many of the best and brightest, tions, a brilliant though not original. tions, a brilliant though not original idea. (The black communist lawyer: William L. Patterson had already prepared a detailed brief, which was published in book form as We Charge Genocide.) But Malcolm X was brutally murdered, gunned down at one of his Sunday afternoon rallies at the Audubon Ballroom in Washington Heights And it appears that his dream of bringing the African-American question before the UN died

Over the past two decades a myth ha grown up that Louis Farrakhan is an extension or clone of Malcolm X. The persistence of this notion reflects the antihistorical attitude that Harold Cruse warned us infects the American vision From our meeting in 1962 until his un timely death in 1965, I saw Malcolm ? speak scores of times. I also conducted several radio interviews with him on a black talk show broadcast over WDA radio in Philadelphia. I remember Mal colm as a person who projected a genu-me humility before the people he sought to serve. His single-minded devotion to the struggle made him indifferent to things like fashion and the accourre ments of show business. When he was the most sought-after speaker in the nation I would often see him with frayed lapels and missing buttons. Malcolm was an activist who was rapidly learning the art of politics and forming new alliances And, most important, Malcolm X was an honest man who called out injustice wherever he found it, even if it was in the racial dogma of his religion or the bedchambers of the prophet that raised him Malcolm was indifferent to person al danger and his love for black people was omnipresent; especially when he wa talking about dancing to Count Basie's band or listening to Lady Day. In contrast, Farrakhan is a preening peacock, always impeccably dressed and skilled in the techniques of show busi ness. He is so full of himself that his posture before audiences of people he seeks to lead is often distant and reeks with a pugnacious arrogance. While he refers to himself in communiques a "the national representative of the Hon-orable Elijah" Muhammad," Malcolm's old title, Farrakhan also claims that he was called by God to lead, a claim Malcolm never made. When confronted with the evidence of Elijah Muhammad's phi landering, he offered public apologies that were often ludicrous. And most of all, Farrakhan has not grown intellectually or politically over the years. He is still spouting a line on race and religion that Malcolm X was in the process of rejecting after his pilgrimage to Mecca over a quarter century ago Hence the similarities between Malcolm and Farrakhan are confined to their roles as charismatic evangelists and the fact that for many years Farrakhan imitated Malcolm's oratorical style (it was like listen) ing to John Coltrane play the saxophone and then hearing David Liebman) When Elijah Muhammad died in 1975, Farrakhan, despite his unquestioned loyalty and charisma, was passed over for leadership of the Nation. As the messenger, Elijah handpicked his son, Wallace, to succeed him. According to NOI sources, Farrakhan was unhappy with the choice because Wallace had support? ed Malcolm X against his father But then, one cannot argue with divine wis? dom, can one? Wallace, a low-key and uncharismatic man, set about disman-tling the NOI. He sold off the organization's assets and rejected his father's ideas on race and religion 1 heard Wallace say in many public speeches during the late 70s that Elijah Muhammad never believed his own theology but thought it was a good thing for black Americans at their stage of development. Wallace is now the leader of an orthodox Muslim order called simply the Community of Al Islam in the West. In the late 70s and the 80s, Farrakhan built on the remnants of the old organization to resurrect the Nation and restore Elijah Muhammad's theology. I predict that his following will continue to grow as long as significant numbers of African Americans continue to despair over their future in America. ....P.B.

right to invite Minister Farrakhan to speak at the university was a matter of selfdetermination, a core cultural value with deep roots in African-American history.

It is abundantly clear from their observable style, temperament, and appetite for sensual pleasures that most black students reject the repressive puritanical code advocated by Louis Farrakhan. Hence, most are constitutionally unsuited for membership in the Nation of Islam, of which Farrakhan is chief minister. This explains why the increased demand for his presence on college campuses does not appear to be accompanied by any dramatic growth in the ranks of the organization itself. Most of the black students I talked to didn't know much about Farrakhan, and had never heard him speak, even on a recording. They came out to hear him because they had observed elements in the white community attempting to deny Farrakhan his right to a forum, thus denying them their right to intellectual freedom. An excellent example of the kind of anti-Farrakhan hysteria that inspired black students to mobilize behind him was provided by Leonard Zakim of B'nai B'rith, who told an earlier campus "open forum on race relations": Farrakhan is "the most notorious anti-Semite of this century." The students preferred to believe the hip-hop crew, Public Enemy, who admonished them not to make up their minds about Farrakhan "until you hear the man," and warned, "Don't believe the hype."

PERHAPS NO PUBLIC FIGURE in America today inspires as much fear and suspicion as Louis Farrakhan, pretender to the role of premier leader of Afro-America. The Louis Farrakhan purveyed in the media is an unshaded character, consistently hateful and hated. Yet Farrakhan has a following, and it may well be growing. His portrayal by the media as a dangerous black lunatic [see sidebar, "What the Minister Said"] is viewed by many African Americans as nothing more than character assassination, a ritual murder by ideological adversaries who want to destroy Farrakhan's credibility and silence him as an effective voice in the struggle for black survival. In fact, as the level of press hostility increases, so does the level of support Farrakhan receives from African Americans—many routinely disregard all criticism of black leaders emanating from the white media.

Farrakhan as he presents himself—the Farrakhan perceived by many if not most African Americans—is quite different from the media horror show. He projects independence and self-assurance, he actively fights the drug trade in black communities, and he at least talks about economic development for African Americans. Farrakhan and the Nation of Islam are now attracting middle-class followers, a departure from the church's traditional base in the urban working class. The question is: Why is Louis Farrakhan a national leader when his national media image could hardly be worse?

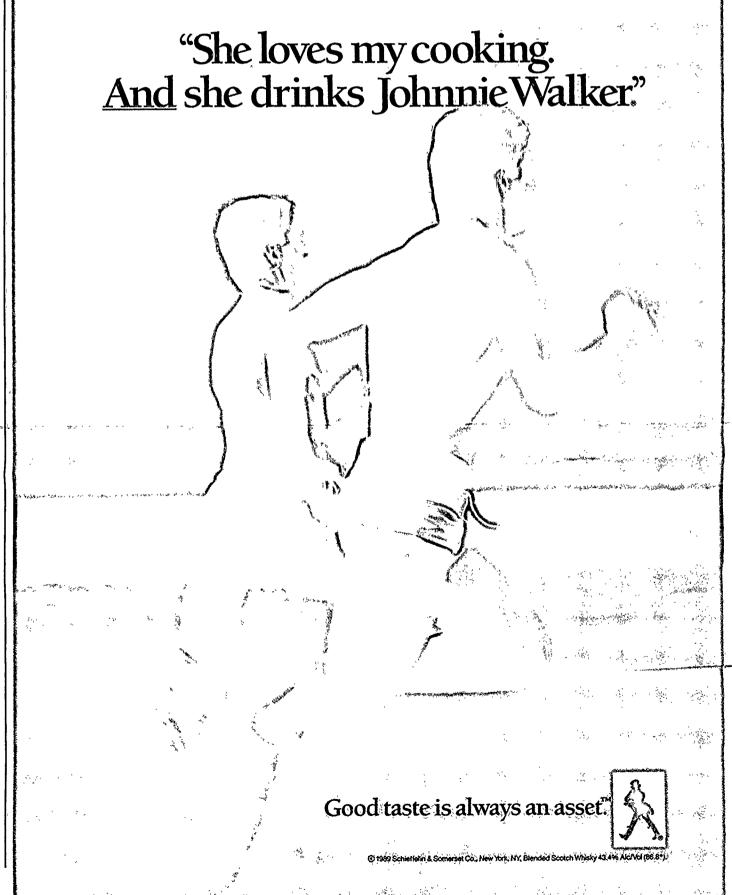
Historically, the Nation of Islam has recruited largely from the urban working class, offering a vision of progress through moral cleanliness and cooperative economic enterprise. Like Marcus Garvey's United Negro Improvement Association, which had its heyday in the '20s, it builds on a tradition of African-American self-determination that dates to the 18th century and includes religious denominations, abolitionist organizations, cultural institutions, and a wide variety of business enterprises. As Harold Cruse points out in Plural but Equal, demographic changes had a profound impact on the rise of these two most prominent 20th century nationalist movements. By 1930, 18.7 per cent of the nation's urban black population was concentrated in the northern industrial centers of New York, Chicago, Philadelphia, Cleveland, and Detroit; in New York and Chicago, the increase since 1910 had been 260 per cent and 430 per cent respectively. It was largely economic motives that prompted this migration, motives that the NAACP and its progeny, with their strict adherence to a philosophy of non-economic liberalism, failed to address. And so it is no surprise that both the UNIA and the Nation of Islam, founded in Detroit in 1932 by Elijah Muhammad, had their greatest success in the northern industrial centers.

But Farrakhan understands that there's only so far he can go with a membership rooted in the lumpenproletariat and working poor. In order to realize his vision of an independent, self-supporting African-American nation, he must attract African-Americans with skills and resources. To help broaden his base, he has begun to ecumenicize. At a 1988 speech at Manhattan Community College, for instance, he appeared with the Reverend Robert Castle, a white Christian cleric from St. Mary's Church on 126th Street, who announced, "It is an honor to be on the same stage with Minister Farrakhan,' and later added, "I live right across the street from the precinct but I feel much safer here." Farrakhan has also taken pains to clarify his relationship to Judaism. At U. Mass he was cheered when he told the Jewish community, "I wish you life," a striking contrast to the JDL's calls for his death outside the auditorium. He reported that "several highly placed rab-bis" had told him in his own home that "they knew Israel was wrong," but that as an outsider Jesse Jackson had no right to criticize the Jewish state. He also challenged the accusation that he had praised Adolf Hitler: "How dare you say that I love Hitler! How dare you say I love a man who hated blacks!"

Farrakhan has enjoyed some success among educated middle-class African Americans: in the wake of the economic setbacks and racial hostility experienced by millions of African Americans in the Reagan era, blacks of every class are disillusioned with the American dream. A recent Urban League report shows the gap between white and black family incomes has widened dramatically over the last 10 years, with blacks' median family income barely half of whites'. Under Elijah Muhammed, the Nation developed service enterprises centered around the urban mosques, but never entered such lucrative fields as middle-level retailing, wholesaling, manufacturing, insurance, and investment. Farrakhan's promise to lead African Americans into these promised lands broadened his following among upscale black Americans, especially after he unveiled his so-called "Power Program" at Madison Square Garden in 1985. And the fate of this program has cost him. When I conducted a random poll of friends and associates who had

attended his Madison Square Garden "speech but skipped more recent appearances, they all gave the same reason: they had lost faith in Farrakhan as an apostle of economic salvation. And after interviewing several businessmen who had dealt with the NOI under his leadership, I understand why. On the one hand, I heard a fantastic fish story, a comedy of errors whose major theme was managerial incompetence. On the other, I heard a sad tale of innocence and naïveté in the predatory world of the capitalist market.

First the fish story. A few years ago the Nation of Islam was importing fish from Peru in an attempt to capture black inner-city consumers. The New York organization was headed by Louis Farrakhan, then minister of the mosque. A young man with a business background, whom we will call Rachid, was a member of Farrakhan's mosque at the time and recalls, "[Farrakhan] had no idea how to manage a business and would not allow brothers with business skills to take charge and run the show. Instead, he placed his assistant ministers in positions of authority." In order to get the product to potential customers, Rachid said, Farrakhan organized the Fish Force, which was composed of mosque members "who were expected to quit their jobs and sell CONTINUED ON PAGE 27



CONTINUED FROM fish full time. They worked on straight commission and often could not make ends meet well enough to pay their bills. Instead of grabbing up available storefronts near the new mosque on 125th Street—the same stores now occupied by the Koreans-Farrakhan decided it would be more effective if the members of the force carried the fish to the customers. So we would trudge around with two shopping bags full of frozen fish.

"Since our market was the black community, especially the projects because of the population density, I tried to tell them it was a mistake to package the fish in 10-pound parcels because most people in our market don't own freezers with sufficient space to store this quantity of meat, but my advice was ignored." As a result, the Fish Force quickly degenerated into a fish farce: "We were running around in the projects busting open packages of frozen fish against the wall trying to make five-pound packages on the spot. It was a real mess out there." The salesmen were put in an impossible position: "We were expected to work a full shift on the Fish Force, but only the assistant ministers, who did very little work, received a base salary. This created conflict in the households of brothers who had quit their jobs and could not meet their financial responsibilities. Some families actually broke up over this issue." (Brother Wali, editor of the NOI's Final Call, responded to these charges: "I don't know whether these are FBI agents planted to disrupt the mosque or what. We have no comment.")

It took some doing to find anyone who has actually seen and touched a "power product," the fruit of Minister Farrakhan's manufacturing venture. But after a considerable search I located a Harvard-trained, successful African-American retailer in Washington, D.C. In a predominantly black city like Washington, one would assume these products would sell. This has not been the case, at least not in the experience of this black businessman.

"Farrakhan's organization understands very little about the science of market-' he said. "First, they choose to go with cosmetic preparations as a start-up product. Then they expect to market it with virtually no advertising. The problem is that consumers of hair-care products and other cosmetics are very brandloyal, and they are not about to switch just because Farrakhan thinks that they should-plus, the big cosmetics companies have reserved shelf space in all the major retail chains.

"On top of that, Farrakhan has alienated the Jews, and they control much of the wholesaling sector of the economy," the retailer said. "Without their participation there is little chance of distributing a product in the major markets. Frankly, I'm having a hard time moving the product." By contrast, Fashion Fair, a cosmetic line for black folk produced by the Johnson empire, is making millions. Through his "Ebony Fashion Fairs," a 25-year tradition, John Harold Johnson's business has set the standard of elegance for femmes noires internationally. The difference is that Johnson, founder and publisher of Ebony and Jet, is an astute businessman who understands the African-American market.

The Fish Force is now defunct. Power Products are rarely if ever seen in the black community except on tables from which they're peddled after Farrakhan's n full Public Enemy's Chuck D. in The Final Call. Power Products spokesman Roger Moore claims, "We're doing fine. We have no major wholesalers, but we have an army of black people out pushing our products," but there's no question that lack of commercial success has stymied the NOI's bid to organize the black middle class. But its courtship of the black middle class of the future continues at a hot pace, as Farrakhan concentrates on recruiting black college students. Stu-

dents are much more emotional in their response to Farrakhan than their parents. Requiring no evidence of accomplishment, they're willing to settle for rhetorical exhibitionism. In an effort to understand this appeal, I have visited three predominantly white campuses where Farrakhan has appeared over the past 18 months: the University of Pennsylvania, a prestigious private academy; Manhattan Community College, an in-ner-city junior college; and U. Mass, a major public university. At all three I was impressed by how skillfully Farrakhan exploits America's blatant racism in the distribution of economic benefits when he speaks to black students, a group whose personal experience in their supposedly enlightened academic environment makes them highly conscious of racial discrimination.

FARRAKHAN'S U. MASS speech was the inaugural event in the monthlong celebration of African-American history on the Amherst campus of the University of Massachusetts. The evening was sponsored by a consortium of six student organizations: Black Agenda, Afrik-Am, Phi Beta Sigma, Distinguished Visitors Program, Minority Graduate Association, and the Black Mass Communications Project. A tersely worded blurb in the program told us exactly where the students' heads were at: "The 1980s and the '90s represents a major challenge for Black students. Seeds planted by committed '60s activists are now coming to fruition, as their children come of age and enter college. The Black students of the '80s and '90s must reject the selfishness and individualism of the 'Me Generation' and confront serious life issues. Why are you going to college? What is your purpose in life? How will you benefit your

These were serious young people who had given black empowerment on campus a lot of thought. Their printed program is a remarkable document that analyzes the problems of the black student community within the larger white university structure and actually proposes a solution, including a blueprint for a new student organization. When A. Anthony Gee, a student "spokesperson of the Black Agenda," took the podium to welcome the audience, he stated the goal of African-American history month as "erasing the slave mentality of blacks, and the assumptions of white supremacy." Following a short documentary film of powerful Afrocentric images, Gee read a poem by Haki R. Madhubuti, a/k/a Don

The images of black men parading by in Madhubuti's poem reflected the posture adopted by the black male students. It is a puritanical and somewhat chauvinistic ideal of manhood that celebrates the dedicated ascetic nation builder, reflecting the black nationalist sentiments of the activist students. The male students were dressed in the conservative authority suits favored by the Nation of Islam. But the female students were dressed like flygirls, with lots of leg showing and clinging frocks accentuating the lush proportions of their curvaceous derrieres. I mean the sisters righteously let their hair down and were ragged out to the max. Their style was the antithesis of the Muslim ideal of the veiled and covered woman. This was but one of a panoply of contradictory images that made the ambience of the affair one of ambiguity. Contradiction was everywhere: in the conflicting styles of the male and female students, in a film that accompanied images of jazz musicians with a disco soundtrack, and most dramatically in the decision to pay a religious circuit exhorter \$17,000 to expound on weighty secular questions that a local community of outstanding black scholars would gladly have addressed for a pittance.

Farrakhan's entrance was preceded by a short speech from the honorable Oumarou G. Youssoufou, UN representative CONTINUED ON NEXT PAGE



## The Down Comforter Source SAVE \$40 to \$250 OFF Our Competitor's Sale Prices!

Including Factory Closeouts, Overruns & Cancelled Orders

## ALL-DOWN COMFORTERS

Box or Channel Construction 100% Cambric Cotton Covers

Twin Reg \$150 Elsewhere \$99 99

**59.99** | Full/Queen | **79.99** | King | Reg. \$250 | Elsewhere \$1129.99 | Elsewhere \$1159.99

## WHITE GOOSE DOWN

Royal Night and Dream Night Label

Twin

79.99 | Full/Queen | 99.99 | King | 129.99 | 129.99

Grandeur Label

99.99 | Full/Queen | 129.99 | King | 159.99 | 159.99 | 159.99

Dyne and Cascade Label

Reg. \$400 Elsewhere \$199.99

129.99 | Full/Queen | 159.99 | King | Req. 1500 | Elsewhere \$249.99 | 159.99 | Elsewhere \$339.99 | 189.99

## 100% COTTON DUVET COVER

In White, Bone, Blue, Rose & Peach

Twin

27.99 | Full/Queen | 33.99 | King | Reg. \$70 | Enswhere \$49.99

# DORM IN A BOX

#### WHAT EVERY COLLEGE STUDENT NEEDS!



Includes: One Twin Comforter, a Twin Flat Sheet, a Twin Fitted, a Standard Pillowcase and Pillow, a Twin Mattress Pad, Two Bath Towels!

**CHOOSE** FROM 3 DESIGNER PATTERNS!



We Carry 100% Cotton Terry Bathrobes \$39.99

# 490 BROADWAY \* 212-226-8040

Open Every Day From 11 to 7pm • Corner of Broome Street
Convenient Locations: Turntable Junction, Flemington, New Jersey & Langhorne Square Stopping Center, Langhorne, PA





NatWest USA® Small Business Loans

# WE KELP SMALL BUSINESSES GROW.

## NatWest USA Is An SBA Preferred Lender.

Whether your small business or franchise is already established or just getting started, NatWest USA can help you get the SBA financing you need to grow. Our team of specialists can help coordinate your SBA loan request with the quality service you deserve.

We have SBAPreferred Lender status, the highest standard of recognition given by the Small Business Administration. That means we can give quick turnaround time to qualified loan requests.

For more information on SBA financing, contact Ken Andreski at (516) 531-7800, or stop by to speak with any NatWest USA Branch Manager.

RAISING THE STANDARDS OF BANKING

National Westminster Bank USA



# THOUSANDS OF ITEMS MARKED DOWN TO MOVE OUT BEFORE OUR INVENTORY COUNT

Choose from the nation's largest stock of musical instruments, digital pianos, synthesizers, sound equipment, DJ gear, studio & home recording & music software!

ALL BRANCHES WILL BE CLOSED WEDNESDAY, AUGUST 30TH FOR INVENTORY

#### MUSIC . SOUND . COMPUTERS

1989 Sam Ash Music Corp

|                       |                            | *************** | ********     |
|-----------------------|----------------------------|-----------------|--------------|
| New York, N.Y         | 160 W. 48th St             | (212) 719-2299  | (            |
| Brooklyn, N.Y.        | 1669 E. 13th St            | (718) 645-3886  | THE PARTY OF |
| Forest Hills, N.Y.    | 113-25 Queens Blvd         | (718) 793-7983  | WORLD        |
| Hempstead, N.Y.       | 124 Fulton Ave             | (516) 485-2151  | CLASS        |
| Huntington Sta., N.Y. | 447 Route 110              | /516\ A21-0222  | F . www.m.m. |
| Paramus, N.J.         | E-50 Route 4               | (201) 843-0119  | STORE        |
| Edison, N.J.          | 1831 Route 27              | (201) 572-5595  | E CTOOR      |
| White Plains, N.Y.    | E-50 Route 4               | (914) 949-8448  | E MAN        |
| MAIL ORDER            | 1-800-4-SAM ASH or (718    | 1 347-7757      | ( WOWE.      |
| 5112                  | - 000 1 OKIII NO!! O! (120 | , 041-1131      | ~            |

of the African Unity Mission. Youssoufou congratulated the students for organizing the celebration and informed them that he had read African history in French and English and found both versions out to lunch. Then Youssoufou announced that he was a Christian! This was somewhat of an embarrassment, because in the history of the world according to Farrakhan, the true religion of the black man is Islam, and all racially and culturally conscious black men have returned to Islam. In the real world, of course, neither proposition is true.

When Farrakhan took the podium he was greeted with a rousing ovation from the mostly black audience. Fifty-six years old, a handsome pecan-tan complexioned man of above-average height, with a texture of hair my grandmother used to call "nice nappy," Farrakhan has the studied elegance of a seasoned performer. On this occasion he was dressed to the height of fashion in a GQ sort of way. While his taste in attire is little conservative for my taste, a guy behind me exclaimed, "Yo! Homeboy is as clean as the Board of Health!" On stage he moves with the ease of an Apollo Theater MC and speaks with the elocution of an accomplished actor. Watching him, one sometimes gets the impression that the play is the thing after all. Farrakhan's love of performance recalls another well-known fundamentalist exhorter, Jimmy Swaggart. A cousin to both country star Mickey Gilley and that venerable cherry-picker Jerry Lee Lewis, Swaggart himself wanted to be a

singing piano man.

Farrakhan the musician initially harbored highbrow ambitions. I once saw a videotape of him on the old Ted Mack Amateur Hour. Unless my ear failed me, it is the Paganini variations he is performing on the violin. The variations require virtuoso technique, yet Farrakhan was in his early teens at the time and his performance was bravissimo. Farrakhan is mum about why he abandoned his desire for a career as a concert violinist, but given the rampant racism and cultural chauvinism white promoters, conductors, and musicians displayed toward black classical musicians of Farrakhan's generation, it is easy to imagine a thousand horrors he might have endured. In his quest to embrace the canon of European art music and make magic in front of a full symphony orchestra, Farrakhan had chosen a path in life that was almost certain to lead to heartbreak. Consider the experience of Ron Carter, one of the premier bass violinists in the world. Like Wynton Marsalis, Hubert Laws, Richard Davis, et al., Carter was trained in the European classical repertoire, with degrees from the Eastman and Manhattan schools of music. Yet he told William Raspberry in the Daily News: "In 1967 Leopold Štokowski told me that he wanted me but whites were not ready to see a black man in a symphony orchestra." After many such slights, Carter concentrated on a career in African-American classical music, jazz. He recently recorded an album of Bach's compositions for the double bass violin.

Eventually Farrakhan turned to night-club peformance. Billing himself as "The Charmer," he sang calypso songs and love ballads. But the crowning achievement of his musical career came with the early-'60s black nationalist anthem "The White Man's Heaven Is the Black Man's Hell," which he wrote, sang, and accompanied on violin. It is apparent from the lush brooding sound he coaxes from his instrument on this record that years after he had surrendered his ambitions for a career as a classical musician, he retained the virtuoso's touch. The fashion in which he claims center stage, even now, as the "national representative of the Honorable Elijah Muhammad," demonstrates that he has also retained the showman's flash. At the Fine Arts Center, he strode onstage flanked by the usual complement of fierce and fearless-looking warriors of the Fruit of Islam, the internal security officers of the Nation of Islam, who stand their ground with a stony resolve that makes the beefeaters at Buckingham Palace look like nervous nellies. But dramatic as his entrance was, it was almost staid compared with many I've witnessed in the black community, where he is introduced by a professional announcer who claims, "He's prettier than Muhammad Ali and can sing better than Michael Jackson."

The star attraction held forth for three and a half hours, his speech an eccentric concoction of fact and fancy that was part Orwellian doublespeak, part black nationalist sloganeering, part fundamentalist Islamic dogma, and part postmodernist free-form African-American rap. Farrakhan is always happy to dabble in history, often offering grandiloquent philosophical speculations on the meaning and destiny of world civilization. But on this occasion he was actually invited to lecture on African-American history. As a former history professor in the W. E. B. DuBois Department of African-American Studies at this very university, I welcomed the opportunity to examine the minister's ideas on the subject and consider whether they represented any advance over the level of discussion 20 years ago, when the DuBois department was established.

Since I am not in the habit of preaching sermons, I am always fascinated when I hear of a preacher lecturing on history. It didn't take long to recognize that Farrakhan's view of the discipline was radically different from mine. For me, history combines the rigor and science of scholarly research with the art of storytelling. But Farrakhan is one of those who appears to believe history literally means "his story." That is, history is whatever the storyteller wishes it to be, for whatever reasons the narrator deems important, which are often religious or ideological. This approach is suitable for creating fiction, not determining facts. Hence, the final product is myth, not history. And one of the principal characteristics of mythmakers, of whatever stripe, is their cavalier attitude toward political, economic, and sociological details.

Farrakhan's speech was as contradictory as the rest of the evening. His topic was "Black Inferiority: Is It a Myth or Reality?" He had concluded from experience that, "Many whites will say yes. Well, when I get through with you tonight you will never say that again." Yet at another point in his oration he informed us that "as we are now, we are unfit to enter a new world reality," and declared to white America, "You have reduced us to the level of animals!" Early on he thanked "the founding fathers for guaranteeing us freedom of speech," never mentioning that amid all the fat-mouthing about "inalienable rights," several of the founders were practicing the worst form of tyranny against African Americans: chattel slavery. Farrakhan argued that the right to freedom of speech was the founders' way of "expressing confidence in the intelligence of the American people." Then he assured us that the United States was settled by "the dregs of Europe." He praised "the beauty of learning" and denounced the American love of sports, which he called, "a national sickness" (you can tell he was one of those dudes who sat around practicing the violin all day and never played any ball). But Farrakhan later told the students, "Do your own research, don't just listen to your professors." He assured them that "professors are only masters of rote learning, they can't teach you to think," then screamed at the professors in the audience, "Don't tell me you know what you're doing! It's insanity masked in a Ph.D. degree." After doing his level best to subvert the authority of professors, Farrakhan told the university administration: "I thank you for this security because this is a strange place. We live in a world where people don't respect people

As Farrakhan rambled on, sometimes stumbling over the truth and carrying on

in high places, people in authority."

Islam, who seem their ground with a stony resolve that makes the beefenters as thought nothing tof importance thad happened, it eventually became clear that he was simply throwing a laundry list of issues out at the audience. He denounced "racism, sexism, and materialism," but it was hard to take this repudiation seriously. After all, Farrakhan still faithfully adheres to Elijah Muhammad's teaching that all whites are "devils," who are "evil by nature." He also believes, like all Muslim men, that women should be covered from head to toe whenever they leave the house. He lives in Elijah Muhammad's palatial Hyde Park mansion and often brags about driving a Mercedes Benz. Farrakhan's real attitude toward the liberation of women was revealed when he chastised women for wearing the "freakish clothes those designers create for you" and defended the white male's right to forbid white women from dating black men. Farrakhan's hypocrisy is perhaps best exemplified in his denunciation on this occasion of black men "frying their hair," and his recent proclamation at the Saviors Day convocation—the premiere annual event at the NOI—that silktop Al Sharpton, the Conkolene Kid, was the "baddest brother on the East Coast."

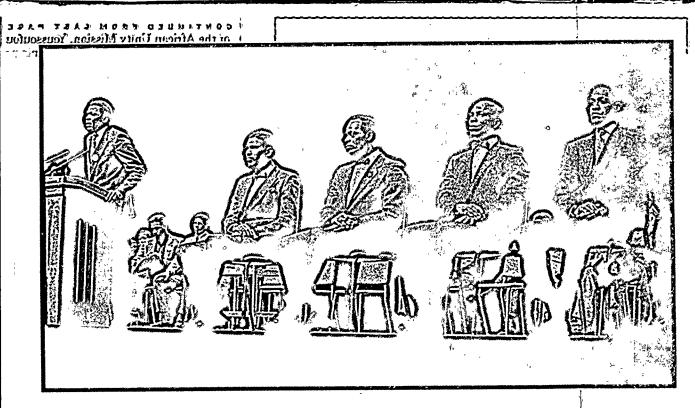
The most disappointing thing about Farrakhan's presentation was that he squandered so many ready opportunities to clarify some critical issues. After all, he had the attention of almost 4000 students for three and a half hours. No professor on campus will enjoy a similar opportunity this year. Yet instead of enlighten-ment, the students were offered sectarian preachment and conflicting advice on their goals and direction in life. Profound problems like the export of the American manufacturing sector overseas by the multinational corporations, and the tactics African Americans should adopt to attack the forces limiting their life chances, were given a sophomoric analysis that could only serve to compound the students' confusion.

ALL IN ALL, it was a typical Farrakhan performance: a strange cacophony of selfserving rhetoric, megalomaniacal ego-tripping, bad political advice, ambiguous pedagogic prescriptions, self-righteous sermonizing, Islamic zealotry, and caustic denunciations of the sins of American society. As usual, it provided none of the answers students were hoping for. So why do they still fight to invite him to their campuses? I can see three basic reasons.

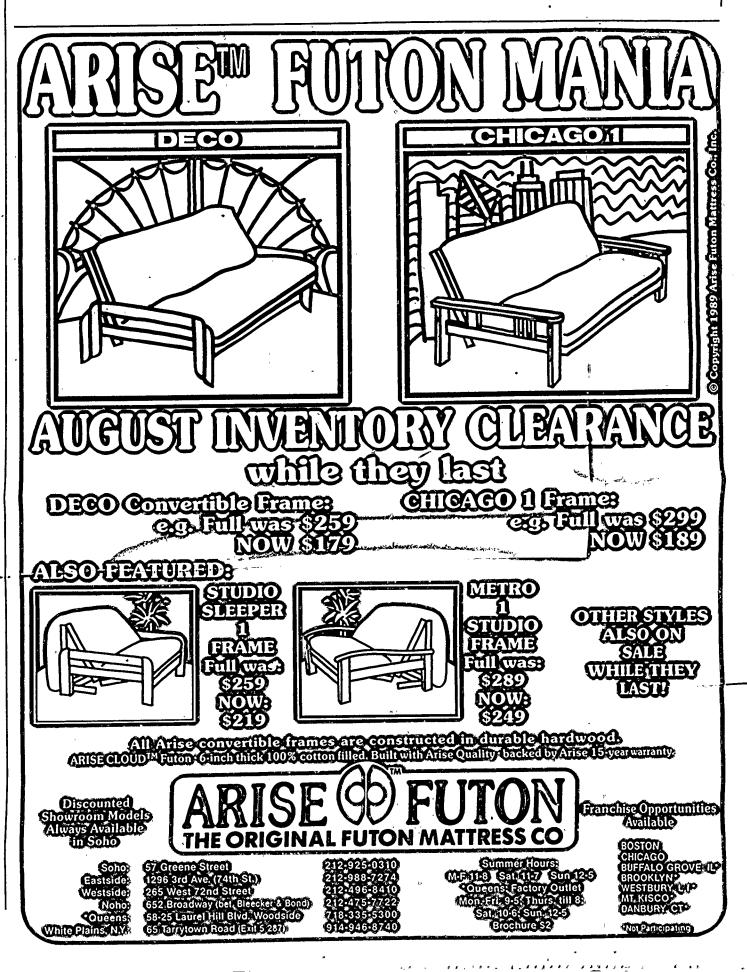
At schools where most of the black students are from the inner city, the drug crisis is devastating their neighborhoods and making civilized life impossible. As student government president Laura Saunders described it at Manhattan Community College last year, "There is a chemical warfare going on in the black community. Women and children are being gunned down because of this plague."
And as Saunders also asserted, "The real
war against drugs is not being waged by the police but by the community activists willing to risk their lives to confront them—like the Muslims."

-Farrakhan--is--at--his--best--excoriatingdrugs. The crisis requires a variety of approaches, including sermonizing and action on the community level, and these are activities to which Farrakhan's organization is well suited. Many of the brothers who join the Nation are exstreet people and are hip to what's happening. Their efforts to curb the crack trade in Washington, D.C.—a barrage of education plus neighborhood patrols apprehending dealers in the act-should be applauded. In a remarkable moment of candor at Manhattan Community College, Minister Farrakhan said he understood the temptation to get high: "I used to smoke a little reefer myself. I didn't drop down from heaven, I came through hell like everybody else!" And he had the perspective to conclude his discussion by reminding us that "the police catch the little men, but there are some very dignified men in business suits who run the drug business."

Also crucial to the NOI's success CONTINUED ON NEXT PAGE



FARRAKHAN IS ALWAYS FLANKED BY FIERCE AND FEARLESS-LOOKING WARRIORS OF THE FRUIT OF ISLAM.





# VIDEO DUPLICATIONS ALL FORMATS -

ALL FORMAIS ALL STANDARDS
DIGITAL BROADCAST QUALITY
FAST TURNAROUND.
LOW COSTS
MULTI SYSTEM TVS,
VCR & CAMCORDERS
AVAILABLE CALL 1-800-626-8776



Koeurs eastern artists



718 BROADWAY/979-5232
(between Astor Place & East 4th St.).
Coming Soon: RICKY'S on 6th Ave., bet. 11th & 12th Sts.

PRO HAIR NEXXUS PAUL MITCHELL **SEBASTIAN** REDKEN **AVEDA** KMS SORBIE FRAMESI **ZOTOS** GOLDWELL **IMAGE** 

... and more

MATRIX

COSMETICS LANCOME ELIZABETH ARDEN CHIRSTIAN DIOR

CLARINS CLINIQUE ... and more

**BATH LINES** PERLIER LAVIA LATTEA MONTECATINI ... and more

**FRAGRANCES** 

CARTIER FENDI GORGIO **ESTEE LAUDER OBSESSION** CHANEL **LOU LOU** YSL

KOUROS PACO RABANNE DRAKKAR LAGERFELD **FAHRENHEIT** 

... and more





FREE CATALOG

CF Namn - Sigma - Gibson - Guild - Taylor Santa Cruz - Lowden - Alvarez Yain Ramirez - Ovation - Yamaha - Stenberger ESP - Scheeter - Westone - Femandes Hohner - Kubicki - Pedulla - Rickenbackor Stelling - Deering - Ome - Gold Star - B&D Paramount - Wildwood - Vega - Bart Reiter Flatiron - Kentucky - Monteleone

MANDOLIN BROS., LTD (718) 981-8585 629 Forest Avenue Staten Island, NY 10310

629 Forest Avenue Staten Island, NY 10310

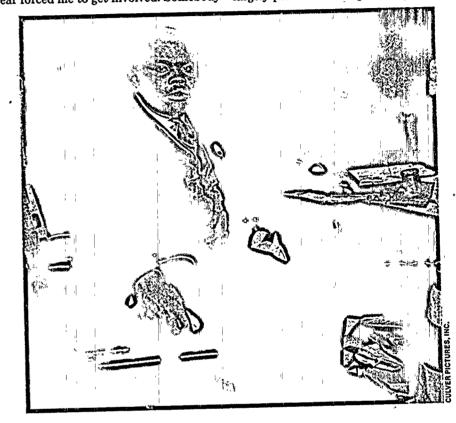
among college students has been a rising tide of discrimination and racist aggression on campus. At U. Mass, the pattern has included both physical attacks on black students and the elevation of right-wing whites to critical posts in the stu-dent government. The school's conservative-controlled student senate went so far as to defund Drum Magazine: The Black Literary Experience at Amherst, six-time winner of the prestigious Columbia Scholastic Press Association Medalist Award, after nearly two decades of quarterly publication. University Chancellor Joseph Duffy was so dismayed by this arbitrary exercise of power that he personally found money to restore publication.

At Penn, a combination of racist incidents and cultural chauvinism has created an atmosphere in which Farrakhan could flourish. One student told me: "I was never an activist or anything, but a series of racist events on this campus last year forced me to get involved. Somebody

heard their parents denounce the evils of affirmative action, which they view as discrimination against whites. They have no sense of history and know nothing

about the civil rights movement."

The response of black students to this white reaction is a heightened sense of racial solidarity and a turn toward black nationalist politics—specifically to what black Harvard government professor Martin Kilson, wringing his hands over the attempt of black Princeton students to bring Farrakhan there, has called the minister's "ethnocentric black populism." Farrakhan's increasing ubiquity on white college campuses in the Northeast isn't fortuitous, either—there does appear to be organized effort on his behalf. In April of 1988, Boston University hosted approximately 350 black student leaders at a conference entitled "Empowerment for Survival: Mobilizing for the Twenty-First Century—Building a Black Student Congress." Reports indicate that this was a largely pro-Farrakhan gathering, its most



# UNLIKE FARRAKHAN, MARCUS GARVEY PRAISED AFRICAN AMERICANS' PRIDE

painted nigger on a gym locker and it took the university weeks to remove it, and a black student was beaten by a and a black student was beaten by a white football player because he didn't talk and act 'black enough,' in the opinion of the white guy." A talented painter in Penn's graduate program was discouraged from following in the tradition of Henry Oswanna Tanner, Augusta Savage, Charles White, Romare Bearden, Jacob Lawrence, et al., a tradition now over a century old. "Critiques usually concentrate on questions of technique," he told me. "But with me the discussion always centered around my subject matter. Ficentered around my subject matter. Finally one of my professors came right out and told me that 'blacks have no significance in the art world; so you are wasting your time painting black subjects." Another professor commented, "Blacks are a hostile race and I don't see that in your work." Yet another speculated, "Perhaps the reason blacks have not contributed more to the graphic arts is because their talents lay in singing and dancing."

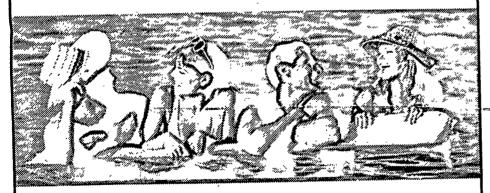
As post-'60s children who inherited a revolution in black consciousness, the present generation of Afro-American students has high expectations of the university. But their aspirations have run head-on into the agenda of white students of the New Right and their coconspirators among the faculty. U. Mass professor Michael Thelwell identifies the New Right students as "products of the Reagan era. Most undergraduates now on campus came of age under the Reagan administration and they have always

visible organizer a since-graduated Penn student named Conrad X. Tillard. Til-lard, who physically resembles Farrakhan, was the moving force behind the minister's campus visit in 1988. A source attending the conference told me: "He showed up surrounded by nonstudents who dressed and acted like members of the Nation of Islam. All Tillard wanted to talk about was born we should assert talk about was how we should support Minister Farrakhan's program. He acted like he was Farrakhan's personal representative." Presumably, the creation of the African-American Student Congress also established a pro-Farrakhan network.

Yet the question remains: why don't black students turn to learned Afro-American professors for answers to their most pressing questions? After all, many of these professors were themselves student activists, particularly at U. Mass, where such major '60s figures as Mike Thelwell, Bill Strickland, John Bracey, and Julius Lester now teach. But black professors, like all professors, are creatures of the book, and many black students evidently prefer a style of discourse typified by the "dynamic orality" of Jesse Jackson and Louis Farrakhan. This is a style rooted in the oratorical tradition of the black church, that most influential of all African-American institutions. But for all his flair as a performer, it is also a style that Farrakhan has yet to fully master.

For two centuries African Americans were forbidden by law from learning to

# NEW YORK HEALTH RACQUET CLUB'S ONCE-AYEAR SUMMER SALE.



FANTASTIC SAVINGS ON ALL MEMBERSHIP PLANS!



**EXERCISING YOU ALL OVER** 

MIDTOWN 110 W. 56TH ST. 541-7200

20 E. 50TH ST.

132 E. 45TH ST.

593-1500

986-3100

UPTOWN 1433 YORK AVE. 737-6666

150 W. 68TH ST.

(NEXT LOCATION)

VILLAGE 24 E. 13TH ST. 924-4600

DOWNTOWN 39 WHITEHALLST. 269-9800

HRC YACHT 777-8000

**HRCTENNIS** 422-9300

VILLAGE COURTS OUTDOOR FACILITIES 989-2300 777-8000

HRC RIVER CLUB 777-8000

Large Control of the Control of the

read. Refusing to surrender to this attempt to crush their spirits, black folk kept their souls intact by creating a rich and varied oral literature that reached its apotheosis in the sermon. As an oratorical art form, the Afro-American sermon prizes a poetic conception of language, promotes a heroic, optimistic idea of human possibility, and employs a dramatic style of presentation that generates such emotional power it seems capable of summoning the spirit of God. At its best the sermon takes the form of an inspired philosophical exegesis on a profound theological or secular question, with the moral lessons clearly articulated in a recurring theme. And since the presentation is usually improvised, the speaker, like a good jazz soloist, can return to the main theme whenever he chooses.

This is the tradition that informs and shapes the oratory of Martin Luther King, Jesse Jackson, Benjamin Hooks, and William Gray, all ordained ministers in the black church. In contrast, the oratory of Louis Farrakhan is characterized by banal, stilted prose, a chronic pessimism that is sometimes nihilistic, and an often incoherent presentation. Only the dramatic flair remains: But the sad truth is that this may be all Farrakhan needs to retain his popularity. Contemporary African-American students are postmodern media babies, with a collective consciousness shaped by primetime television, bad movies, and rap. Like all American youth, they are programmed to succumb to the spectacle of performance—hence their fatal attraction to Farrakhan.

Political theorist Guy Debord offers insight into this phenomenon in Society of the Spectacle: "The spectacle presents itself as something enormously positive, indisputable and inaccessible. It says nothing more than "That which appears is good, that which is good appears. The attitude which it demands in principle is passive acceptance, which in fact it already obtained by its manner of appearing without reply." At the speeches I attended the students were provided no opportunity to ask questions of Farrakhan. Furthermore, the black students I talked to afterward expressed no desire to investigate what lay behind the self-assured image of power and certainty he projects from the podium. If they did they might well discover what Gertrude Stein found out about Oakland: "There's no there there." The students' willingness to accept Farrakhan at face value suggests that they seek not enlightenment but catharsis. As one black professor said, "They just want to see somebody black get up and sass white folks."

IN NUMEROUS SPEECHES, Farrakhan has argued that African Americans constitute a captive nation that will one day, sever its ties to white Americans in a cataclysmic upheaval, then take its place in the family of independent states. The critical questions for those who would live under his rule are: What kind of society does he envision? And what type of leadership model would he choose?

Farrakhan, who told his U. Mass audience that he was ordained to lead by an "unseen power," favors a theocracy, an Islamic state based on Koranic law. The only example of such a state in the world today is Iran. During the Algerian Revo-lution against French colonialism, Franz Fanon, the black psychiatrist and premier theorist of the FLN, argued that the establishment of an Islamic theocracy in the 20th century would be a return to "primitive medievalism." Thus far, events in Iran have verified Fanon's prophecy-most recently in the case of Salman Rushdie. So far. Farrakhan has failed to comment publicly on the Ayatollah Khomeini's call for Rushdie's death. But we can surmise something of his allitude toward those who disagree with him from his U. Mass comments on those who attended a recent black leadership conference to which he was not invited: "If they were manure they couldn't even draw flies." Even more telling is his fam-

ous denunctation of black Washington Post reporter Milton Coleman: "One day soon we will punish you with death!"

It is such behavior that inspires many observers to conclude that Farrakhan aspires to become an American ayatollah. But most of the middle-class blacks Farrakhan courts so assiduously prefer the position of 19th century African-American orator, editor, abolitionist, and social critic Frederick Douglass: "I know of no group of men who are so wise and just that they can be trusted with control over the rights of other men." Though he reg-ularly praises Marcus Garvey, it seems that Farrakhan hasn't carefully studied the UNIA founder's work. When Garvey first visited the U.S. in 1915, he offered this assessment of African Americans: "I have traveled a good deal through many countries, and from my observations and study, I unhesitatingly and unreservably [sic] say that the American Negro is the peer of all Negroes, the most progressive and foremost unit in the expansive chain of scattered Ethiopia." After a lengthy tour of American cities, Garvey said he had witnessed African Americans owning and managing "banks, stores, cafes, restaurants, theaters; and real estate agencies that fill my heart with joy to realize...that at one center of Negrodom, at least, the people of the race have sufficient pride to do things for themselves." Unfortunately, Farrakhan has yet to learn what Garvey knew three quarters of a century ago. He will never enjoy a following like Jesse Jackson's because the majority of African Americans are profoundly optimistic—especially those skilled African Americans whose time, expertise, and money would be so useful to the NOI. Their heroic optimism is revealed in a wide variety of folk forms: the B'rer Rabbit stories, the John Henry legend, spirituals and the blues, even the best rap.

In news reports about Farrakhan, one key question is almost never asked. What is it about American society that continues to produce nationalist movements among each generation of African Americans? After all, these movements signify mass alienation from the American body politic, and disillusionment about the promise of the American dream. Farrakhan, like Marcus Garvey and Elijah Muhammed, is a product of the African experience in America; and just as Mormonism, which denies blacks the priesthood, is a product of American racial ideology, it should surprise no one that the black ordeal in the U.S. has produced at least one theology that holds "the white man is the devil."

I believe there is a legitimate role for Minister Farrakhan to play in African-American affairs. By training and temperament, he is best suited for the role of moral teacher: chastising the sinful and slovenly, rebuking the trifling parent or profligate spouse, railing against licentiousness, and threatening criminals with swift retribution on earth and hellfire in the hereafter. Minister Farrakhan is damn good at that, and the Lord knows there are many lost souls out here who are in dire need of such instruction.

But by talent and temperament Louis Farrakhan is a preacher, not a political leader, for he views the world through a dogmatic theological prism that reveals issues only in stark contrasts of black and white. Hence he lacks the flexibility for compromise which is essential to the political process. Since my visit to Manhattan Community College last year, I have listened to many speeches by and interviews with the minister. I have tried to find there some comprehensive plan for the development of black America, a plan that would justify Farrakhan's claim to leadership. But the more I searched, the

emperor's new clothes. Instead of a blueprint for black progress, I have been subjected to many hours of impassioned rhetoric and moral preachment, uninspired by poetic metaphor and unenlightened by rigorous thought.

# ELECTRONUCS

# August is Denon Month!



## Denon DCD 910 CD Player

Save on Denon's entire line of extraordinary electronic products all month long at Harvey. Save on receivers, compact disc players, cassette decks & tuners!

During Denon CD Clinics you can bring in your CD player (any brand) for a free technical evaluation & check up and discuss the latest compact disc technology with Denon experts. CD Clinics will be offered from noon to 5:00 PM at the following locations... Midtown: Thursday, August 10th, Westbury: Friday, August 11th, Paramus: Thursday, August 17th and White Plains: Friday, August 18th. Receive a Denon CD with the purchase of any Denon CD player or just for attending a clinic. Call for an appointment.

The DCD 910 remote control compact disc player pictured above features an 8 times oversample digital filter. Its two digital/analog super linear converters are designed for reduced transfer distortion. Specially priced at \$349, it's an extraordinary value!

Enter to win a Denon audio system at any Harvey Store!

No purchase necessary.

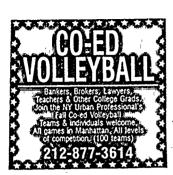
# HARVEY

ELECTRONICS

Midtown • 2 West 45th Street • 212 575-5000 • M·F 9:30-6 Sat 10-6
 White Plains • 236 East Post Road • 914 948-5050 • Mon-Sat 10-6 Th 10-9
 Greenwich Village • 28 West 8th Street • 212 982-7191 • Mon-Fri 11-7 Sat 10:30-6
 Paramus • 556 Route 17 N. (Next to Kids 'R Us) • 201 652-2882 • Mon-Fri 11-9 Sat 10-6
 Westbury • 485 Old Country Rd (Opp. Fortunoff) • 516 334-3443 • M·F 11-9 Sat 10-6 Sun 12-5

Offers a 10% REWARD on all our PLATFOAM BEDS to the

observant reader of this small ad. Thru 8/26/89 611 6th Ave. (18th St) 645-8999 Mon-Sat 10-6PM





Available in Solid Oak, Ash,



STUDIO SLEEPER Solid Ash

At White Street

2 blks. from Canal

• 100% Cotton

 Cotton Foam Standard & Custom Sizes!

EVERYTHING AVAILABLE FOR

Mon-Sat 10:30-8pm Sun 12-6pm

**375 BROADWAY** 



KLAM FRAME with Futon \$220

(212) 941-1384

SUPER SPECIALS FREE ASSEMBLY

With coupon only!





Cash & carry only. Major credit cards accepted. Does not apply to corporate accounts. All sales final. No special orders.

# EVERYTHING 1/2 PRICE!

Pay 1/2 Marked Price for ALL NAME BRANDS!

Choose from Tables, Lamps, Chairs, Paints, Papers, Pads, Canvas, Pencils, Pens, Inks, Brushes, Photo Studio Supplies, Package Framing and Much More!

Hurry in for best selection. Don't miss out on this one-time opportunity to save big \$\$!



79 Fifth Avenue - Corner 16th Street New York, NY

(212)989-2852, 989-2786 or 989-2983

Store Hours: Monday - Friday 9-7 Saturday & Sunday 10-5





\$699 For A New Annual Membership Offer Expires 8/15





## UNITED STATES DEPARTMENT OF JUSTICE FEDERAL BUREAU OF INVESTIGATION

| MEMORANDU                                 | <u>'M</u>  |  |
|---|--|--|
| TO: FROM: SUBJECT:                        | FILE # 9A-NY-18556/ SA (ST) MEMORANDUM OF CONVERSATION   |  |
|   | with  of Village Voice Newspaper  on 8/24/89 at 11:15 AM  date time  | [X] Telephone  |
| Summary:  PAN  PAN  THRE  AFTE  UNY  PELI | Discussion RESIDENT MARKED BY  AND SELLAGE VISIONE  EY ARVISE  ARVISE  FOUND  GION.  | DOF EXPLICIT   |
|   |  | OLE  |
| UP (                                      | equired/Taken:  ORIGINAL  JERVIEW  JOHN  OFFINITION  O | MENT SET TO PICIC BOTC  ENUELODE 8/25/89  THER ST VILLAGE VOICE  9A-NY-186561  SEARCHED CHILD CHILD  ALIG 2 A 1989 |
| 1 -                                       |  | AUG 2 4)1989   |

|  | Q                |                             |                      |                        | $\mathbf{O}$                           |                         |                | Charles                                      |
|--|------------------|-----------------------------|----------------------|------------------------|--|-------------------------|----------------|--|
| Indices Search Slip<br>FD-160 (Rev. 4-29-87) |                  |                             |                      |                        |  |                         |                | 当为   |
| o: Office Servic <u>es Manager</u>           |                  |                             | _                    |                        | Date                                   | 8/24/                   | 89             | j  |
| Requested by SA                              |                  |                             |                      | Squad                  | Extension 3/94                         | File Mo                 | -18            | 6561   |
| Subject FRUITS                               |                  | 7                           | - (1)                |                        | . Social Security Ac                   | count #                 | 10             | 0001   |
| Aliases                                      | - 0/-            |                             | 54                   | AN                     |  | —b7c ——                 |                |  |
| Address                                      |                  |                             |                      | Birth Date 2           | Birthplace                             |                         | Race           | Sex  |
| Exact Spelling                               |                  |                             |                      | Ditti Date             | Bittiplace                             |                         | nace           | ☐ Male<br>☐ Female                           |
| Exact Spelling  All References               |                  | Main Crimir<br>Criminal Re  |                      | -                      | ☐ Res                                  | trict Locality of       |                |  |
| Main Security Case Files Only                |                  | Main Secur                  | rity (If no M        | lain, list all Securit | •                                      |                         |                |  |
| Security References Only  General Indices:   | G D POS          | Main Crimir                 | nal ( <i>If no M</i> | lain, list all Crimin  |  | □ NEG □ POS             |                |  |
| Searched by                                  |                  |                             | ate                  | Searched               |  |                         |                | Date   |
| •  | G D POS          |                             |                      | OCIS:                  | *                                      | □ NEG □ POS             |                | <u> </u>                                     |
| Searched by                                  |                  | Da                          | ate                  | Searched               | by                                     |                         |                | Date   |
| ☐ ELSUR Indices: ☐ NE                        | G D POS          | ·                           | <del> </del>         | 🗀 IIS:                 |  | □ NEG □ POS             |                |  |
| Searched by                                  |                  | Da                          | ate ·                | Searched               | by                                     |                         |                | Date   |
| FOIMS: AUTOMATENE                            | LESS ALIC        |                             |                      |                        |  |                         |                | ·  |
| Searched by DATE. SEP 0.1                    | -1989 - Will     | ,                           | ate                  | ,                      |  |                         |                |  |
| File & Serial Number                         | R                | lemarks "                   | <del> </del>         | File & S               | erial Number                           |                         | Remarks        |  |
| FRUIT OF ISC                                 | AM (FOZ          | )                           |                      |                        |  |                         |                |  |
| 100-123986-2464                              |                  |                             | 2/57                 |                        | ·-···································· |                         |                |  |
| 100-123780 8404                              |                  |                             | 2/3/                 |                        |  |                         |                |  |
| 105-30342*                                   |                  |                             | 5/58                 |                        |  |                         |                |  |
| 30340-1*                                     |                  |                             | 12/58                |                        |  |                         |                |  |
|  |                  |                             | <u> </u>             |                        | ·                                      |                         |                |  |
| 174-2170-I-58                                |                  |                             | 6/15                 |                        |  |                         |                |  |
| •  |                  |                             |                      |                        |  |                         | <del>(</del> 2 |  |
| Comp Fruit of Isl                            | 1M               | <del></del>                 |                      |                        | ····                                   |                         | Dest.          | <u>)                                    </u> |
| ,      |                  |                             | - /-                 | *                      |  |                         |                |  |
| 100, A-182995-15                             | ps               |                             | 8/87                 |                        |  |                         |                | •  |
|  |                  |                             |                      | -                      |  |                         |                |  |
|  |                  |                             |                      |                        | <u>,</u>                               | 00-1                    | 11-19          | 8650   |
| Consolidated by                              | <u> </u>         | <del></del>                 |                      | <u> </u>               |  |                         | <u> </u>       | ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )            |
| Reviewed by .                                |                  |                             | D                    | ate                    | SERVALUZ.                              |                         |                | 4  |
|  | ilo Davieu O     |                             | D                    | ate                    |  | AUG 2 4 (1)89           |                |  |
| Fi<br>I - Identical                          | ile Review Symbo | ols<br><b>? -</b> Not ident | tifiable             |                        | -\!                                    |                         |                | b6<br>b7C                                    |
| NI - Not ident                               | ical             | U - Unavaila                | able referer         | nce                    |  | <u>K</u>                | 01911          |  |
|  |                  |                             |                      |                        | <u> </u>                               | ±U.S. Covernment Print: | ing Officer    | 1989-241-706/                                |

94-NY-18656/ SEARCHED\_CEXES SERIALIZED\_CEXES SEP 19 1988 FBI — NEW YORK

#### FEDERAL BUREAU OF INVESTIGATION

| newspaper, 842 Broadway, New York, New York, telephone number  (212) 460-1452, was advised of the identities of Special Agent of the Federal Bureau of Investigation (FBI) and New York City Police Department, and  | b<br>b         |
|--|----------------|
| the nature of the interview. provided the following information:  advised that the "Village Voice" published an article on August 15, 1989, entitled, "Who is listening to LOUIS FARRAKHANand how did he become big man on campus?" The article was a negative commentary on FARRAKHAN and his influence in the Black community. On August 22, 1989, a letter, which had been transmitted through the U.S. Mail, was received at the office of the "Village Voice" at 842 Broadway, New York, New York. The envelope was postmarked "Newark, New Jersey," and dated "August 15. 1989." The return address on the envelope was listed as Summit, New Jersey 07901. Inside the envelope was a two-page letter, written in red ink, which threatened the life of because of the negative comments regarding LOUIS FARRAKHAN in the "Village Voice" article. The letter was signed | b6<br>b7С      |
| advised that personnel at the "Village Voice"  were concerned about the threatening nature of the letter.  notified the Summit, New Jersey Police Department of the letter  and the individual who allegedly authored it. A  of the Summit. New Jersey Police Department told  was a member of the Fruit of Islam  Organization. The members of the organization, including  lived in a house in Summit, New Jersey.  further told  that the Fruit of Islam Organization follows the teaching  of LOUIS FARRAKHAN. Members of the group may be capable of  violence.   | b6<br>b7C<br>, |
| advised that the of the "Village Voice," was concerned about the threatening nature of the letter and the possibility of violence by and his organization. was advised to contact the FBI regarding the threatening letter. provided the FBI with the original envelope and letter allegedly sent by   | b7C            |
| vestigation on 8/28/89 at New York, New York File # 9A-NY-18656  SA 28/89 at New York, New York File # 9A-NY-18656   | 1              |

This document contains neither recommendations nor conclusions of the FBI. It is the property of the FBI and is loaned to your agency; it and its contents are not to be distributed outside your agency.

| *·                        |                  | Ģ  |                |           |
|---------------------------|------------------|--|----------------|-----------|
| 9A-NY-186561              |                  |  |                |           |
| Continuation of FD-302 of |                  | ,on <u>8/28/89</u>   | ,Page <u>2</u> | ——<br>.b6 |
| been handled by nu        | merous employees | the envelope and letter had<br>of the "Village Voice."<br>FBI in any manner in their |                | ъ7с       |

FD-302a (Rev. 11-15-83)

## UNITED STATES DEPARTMENT OF JUSTICE FEDERAL BUREAU OF INVESTIGATION

| MEMO | RAN | MUDI |
|------|-----|------|
|------|-----|------|

DATE: 3/5/90

b6 b7C

TO:

SAC II (9A-NY-186561)

FROM:

SSA JTF-1/C-19

SUBJECT:

VILLAGE VOICE-VICTIM;

EXT; OO:NY

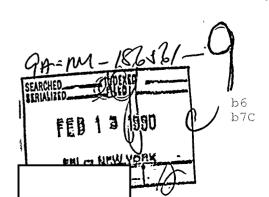
loorsiet me

JJC:gt
(1)

9A-14-186561-

| The following investigation was conducted on January              |             |
|---|-------------|
| 11. 1989. at New York, New York, by Special Agent (SA)            | □ b6<br>b7C |
|   | _           |
| SUMMIT NEW JERSEY POLICE  | •           |
| (DEPARTMENT) was telephonically contacted and advised the         |             |
| following:  |             |
| 100000  |             |
| A local record check regarding                                    |             |
|   |             |
|   |             |
| his association with the LOUIS FARRAKHAN ORGANIZATION - FRUIT OF  | 7           |
| resides at Summit, New Jersey                                     |             |
| resides in a tenement building, which houses six other            | 3 6         |
| families. was questioned regarding the threatening letter         | b6          |
| sent to the VILLAGE VOICE and                                     | b7C         |
| told he had no intention of physically harming                    |             |
| Dut merely wanted to express his anger at the article,            |             |
| which negatively depicted the leader of the FRUIT OF ISLAM, LOUIS | <b>;</b>    |
| FARRAKHAN.   does not even know how to contact                    |             |
| directly.   |             |
|   |             |
| advised appears to be <u>rational</u> ,                           |             |
| and has a wife. There has never been any trouble from or          |             |
| his family in the Summit area. does not believe there are         | 5 to 4      |
| other members of the FRUIT OF ISLAM residing in the Summit, New   | •           |
| Jersey area.  |             |
| oersey area.  |             |





## UNITED STATES DEPARTMENT OF JUSTICE FEDERAL BUREAU OF INVESTIGATION

| AIRTEL DATE: 2/13/900  |           |
|--|-----------|
| TO : SAC, NEWARK   |           |
| FROM : ADIC, NEW YORK (9A_NY-186561) (P) (JTF-1)   |           |
| SUBJECT:  VILLAGE VOICE-VICTIM;  EXTORTION (A)  (OO: NY)   | -         |
| For information of Newark Division, above captioned subject, Summit, New Jersey (NJ), sent a letter to the VILLAGE VOICE NEWSPAPER, attention of The letter vilified for writing an article which was critical of LOUIS FARRAKHAN. also reproached the VILLAGE VOICE for publishing the article.   | 7C        |
| The letter contained explicit death threats against and personnel of the VILLAGE VOICE.  | ¥4        |
|  | b6<br>b7C |
| The New York Office (NYO) has conducted a local criminal check of with Summit, New Jersey Police Department, Summit, NJ, the town in which resides with his wife. No derogatory information was revealed. Also Summit Police Dept., interviewed regarding the above letter. told he is not a violent individual, but needed to vent his anger against the individuals responsible for the article against FARRAKHAN.   |           |
| No FBI interview of is contemplated at this time.  No other material of a threatening nature has been received by or the VILLAGE VOICE from or his organization.   | b6<br>b7C |
| 2-Newark Q-New York  SGH/sac (4)  SERIALIZED |           |

9A-NY-186561

#### LEADS

#### NEWARK DIVISION

AT NEWARK. NEW JERSEY. Conduct indices check on subject
Summit, New Jersey and
the organization, Fruit of Islam, and provide results to the NYO.

b6 b7С

|          |  | FBI  |   |           |
|----------|--|--|---|-----------|
|          | TRANSMIT VI  Teletype Facsimile AIRTEL | ☐ Immediate<br>☐ Priority  | CLASSIFICATION:  TOP SECRET SECRET CONFIDENTIAL UNCLAS E F T O UNCLAS |           |
|          |  |  | Date3/8/90  |           |
| 1<br>2   | TO :                                   | ADIC, NEW YORK (9A-NY-18656) ACTING SAC, NEWARK (9A-NY-18  |   |           |
| 3        | _                                      | ACTING DAC, INDIARK (SA NI IC  | (0.001) (1.000) (0.10) 11   | *,        |
| 4        | SUBJECT: [                             | VILLAGE VOICE - VICTIM;<br>- VICTIM;   |   | Ъ6<br>Ъ7С |
| 5        |  | EXTORTION (A) (OO: NY)   | ·   |           |
| 6        |  | Re: New York airtel to News  | ark dated 2/13/90   |           |
| · 7<br>8 | ×                                      | New York Office request  | ted Newark <u>Division t</u>  |           |
| 9        |  |  |   |           |
| 10       | contained                              | Newark indices checks regard<br>Several references regarding<br>in Newark indices. Caption<br>in any of the FRUIT OF ISLAN | ng FRUIT OF ISLAM are<br>subject's name was n                         | :         |
| 12       | mencioned                              | _  |   |           |
| 13       |  | Newark considers this matter   | r Ruc'a.  |           |
| 14       |  |  |   | ¥         |
| 15       |  |  |   | 1         |
| 16       |  |  |   | 3         |
| 17 /     |  | •  | A 10.1  | 101 -     |
| 18       | 2)New Yorl<br>1-Newark                 | `  | H-NY  | -186061   |
| 19       | JGP/lnr<br>(3)                         | ,  | 15  | 15        |
| 20       |  |  | MAR 23  | (1)       |
| 21       |  |  |   |           |
|          |  | ——————————————————————————————————————   |   | 71-       |
|          | Approved:                              | 7 Transmitted (Number  | Per   | b6<br>b7  |

(File No.) 9A-NC - 186561

| ltem   | Date                                  | To be returned.  | region (a) in the second of the control of the cont | Disposition  |
|--|---------------------------------------|--|--|--|
| Al   | 9/10/59                               |  | cope article "Who is leteral   | to Kurin Farrallies  |
|  | ***** * C3                            |  | Jul Villag   | VHCR -8/15/89  |
| AJ   |                                       |  | copies of Threatening attil 4  | expelope address   |
| ****   | 1 24                                  |  | to Village Vince Reusbaper   |  |
| IAS  | 117/90                                | U  | orgenetes reant of   | x/31/89  |
| 194  | 194                                   |  | Evidence on Have c   | 10, 10x 181  |
| en e   |                                       |  | Contract of the second  | South and the second se |
| **************************************   | * * * * * * * * * * * * * * * * * * * |  | The second secon | a digita i hisi ayar a digira tanakan siyat ayar tanakan siyat ayar tanakan ayar a sa sa sa sa sa sa sa sa sa s<br>Indian sa   |
| ,  | X \$ 7.73                             |  | The second of th |  |
| Carry V Arma   |                                       |  | The state of the s |  |
|  |                                       |  | The same of the sa | A STATE OF THE STA |
| ******   |                                       |  | yayan da wakan yaya ka ka sasasa ka sawakan yanga ka kanada makan ya ka kacabaya an ka sanaba ma<br>Baranga  |  |
| 4 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 -  |                                       |  | the many the first designation in a second a contract here are an all a compression expensions when  | Commence of the second  |
| 1  | A CONTRACTOR OF THE                   |  | The most state to the first terminal and the report of the state of th |  |
|  | 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 | Service of the servic | Agent Marie Control of the Control o |  |
| A SE SECTION CONTRACTOR SECTION SECTIO                                 | Constitution of the second            | A TO THE RESERVE OF THE PARTY O | The first control of the second of the secon | The state of the s |
| e deservisiones de la company<br>de la company de la company<br>de la company de la company de la company de la company<br>de la company de la company de la company de la company<br>de la company de la company de la company de la company<br>de la company de la company de la company de la company de la company<br>de la company de la company<br>de la company de la company<br>de la company de la company |                                       | Francis of States  | Ending the property of the second sec | The second secon |

8 94-ny-1865E1-lass